राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 19 अगस्त 2023 वर्ष–6,अंक–208 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

अकेली में काम नहीं करना चहाती थीं नुसरत भरूचा

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी, ड्रीमगर्ल, छोरी, जनहित में जारी, छत्रपति जैसी फिल्मों में काम किया है। अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। नुसरत स्टारर फिल्म अेकली 25 अगस्त को सिनेमाघर में रिलीज होने जा रही है। ऐसे में एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर बातचीत की है। इस दौरान नुसरत ने बताया कि फिल्म की कहानी उनके पास तीन साल पहले आई थी और कहानी आते ही लॉकडाउन लग गया। उन्होंने कहा- 'उस समय इस फिल्म को करने से मना कर दिया था, क्योंकि बतौर एक्टर मैं उस वक्त ऐसी कहानियों के लिए रेडी नहीं थी। मैं पूरी कहानी अकेले करूं, समझ में नहीं आ रहा था। उस समय लगा कि शायद मैं नहीं कर पाऊंगी। इसके अलावा स्क्रिप्ट के बारे में कुछ चीजें बताई थी, जो बात समझ में नहीं आ रही है। डायरेक्टर स्क्रिप्ट ठीक करने के साथ तीन साल तक मेरा इंतजार किया। वो हर साल मेरे पास आकर कहते थे- अब आप बताइए कि आपके पास वक्त कब है। मैं हर बार बोलती थी कि मुझे समझ में नहीं आ रही है। तीन साल बाद एक फिल्म कर रही थी, तब तक डायरेक्टर ने मेरे एक क्लोज फ्रेंड के दोस्त को इस फिल्म से जोड़ दिया।

आतंकी ठिकाने का पदार्फाश

जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने हथियारों की बड़ी खेप की बरामद

कुपवाड़ा। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने यहां तलाशी अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियारों की खेप बरामद की है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट पर कार्रवाई करते हुए सेना, बीएसएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने 15 से 18 अगस्त तक कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त किया। इसमें पांच एके राइफल्स, सात पिस्तौल, चार हैंड ग्रेनेड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। सुरक्षाबलों ने आसपास के इलाके को घेर लिया है। यहां अभी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है वहीं, घाटी के सोपोर जिला में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के दो ओजीडब्ल्यूएस (ओवर ग्राउंड वर्कर्स) को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से आठ राउंड पिस्तौल और ग्रेनेड बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आतंकी मददगारों से पूछताछ की जा रही है।

वाहनों पर ब्राह्मण, जाट, राजपूत, गुर्जर लिखने वालों की खैर नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर हैं। गुरुवार को चेन स्नेचिंग की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह छोटी-छोटी घटनाएं बड़ी बन जाती हैं। पुलिस की क्षेत्रों में पेट्रोलिंग नियमित रूप से कराई जाए। वाहनों पर जातिसूचक बोर्ड लगाकर कोई न चलने पाए। इस पर प्रभावी रूप से रोक लगाई जाए। कार या बाइक पर ब्राह्मण, जाट, राजपूत, गुर्जर लिखने वालों की खैर नहीं होगी। सीएम ने कहा कि निमार्णाधीन विकास एवं निर्माण कार्यों को युद्धस्तर पर अभियान चलाकर गुणवत्ता के साथ में निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को प्रत्येक दशा में प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाए। वाई-20 के उद्घाटन समारोह में शिरकत करने के लिए गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की।

कार-ट्रक की भिड़ंत में पांच युवकों की मौत

खंडवा। मध्यप्रदेश के खंडवा में देर रात कार और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई। हादसा पुनासा चौकी अंतर्गत दौलतपुरा फटे के पास हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सभी मृतक खरगोन के कसरावद के रहने वाले हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने ट्रक और ट्रकचालक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार हादसा खंडवा के नर्मदा नगर थाने के अंतर्गत आने वाली पुनासा चौकी क्षेत्र के दौलतपुरा फाटे के पास गुरुवार देर रात हुआ है। बताया जा रहा है कि खरगोन जिले के कसरावद के रहने वाले पांच युवक रात में कार में सवार होकर दौलतपुरा में हुए किसी कार्यक्रम से लौट रहे थे। दौलतपुरा फाटे के पास के पास सामने से आर रहे ट्रक से उनकी कार जा भिड़ी। हादसे में कार सवार पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। शव कार में बुरी तरह फंस गए थे। शव निकालने के लिए पुलिस को कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। इसके बाद पुनासा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार सुबह युवकों का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए हैं। खंडवा एसपी सत्येंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि दौलतपुरा के पास एक वाहन दुर्घटना हुई है। इसमें खरगोन जिले के कसरावद के पांच युवकों की मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। कार के परखच्चे उड़ गए थे, शव कार में फंसे हुए थे। कटर की मदद से कार को काटकर शव निकाले गए थे। शुक्ला ने बताया कि वे इस दुर्घटना को लेकर खरगोन एसपी को जानकारी दी गई। फिलहाल हादसा कैसे हुआ, स्पष्ट नहीं है। जांच की जा रही है।

लखीमपुर : तेज धमाके के साथ पूरा मकान हुआ धराशायी, मां-बेटे की मौत

लखीमपुर खीरी । जंगबहादुरगंज कस्बे में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक मकान में तेज धमाका हो गया, जिससे पूरा मकान धराशायी हो गया। हादसे में परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई है। मरने वाले मां-बेटे बताए गए हैं। कई लोग घायल हुए हैं। घर के आसपास बंधे मवेशी भी चपेट में आ गए, जिससे दो मवेशी भी मर गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

जानकारी के मुताबिक जंगबहादुरगंज में बब्बू का मकान है। उसके मकान में शाहजहांपुर के गांव दबौरा निवासी मोहम्मद नबी (40) अपनी पत्नी हलीमा (30) और पुत्र जीशान (14) के साथ किराये पर रहता था। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह करीब छह बजे अचानक तेज धमाका हो गया, जिससे पूरा मकान जमींदोज हो गया। धमाका इतनी तेज था कि पड़ोसी के मकान का लिंटर भी गिर गया।

दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायकों का हंगामा

सदन का किया बहिष्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली विधानसभा सदन की कार्यवाही शुक्रवार को शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। दिल्ली विधानसभा में नरेश बाल्यान मामले को लेकर भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू किया। उन्होंने कहा कि वह एक बदमाश के साथ वसूली कर रहे हैं इस मामले में विधानसभा ने संज्ञान लेना चाहिए। इस मामले में आप विधायक विनय मिश्रा ने बताया कि इस मामले में नरेश बालियान ने एफ आई आर दर्ज कराई है। वहीं, कोर्ट ने संबंधित चैनल को यह खबर चलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि यह खबर फर्जी है। भाजपा विधायकों ने सदन का बहिष्कार किया। संसद में पेश हुई सीएनजी की रिपोर्ट पर विधानसभा उपाध्यक्ष की ओर से बोलने का मौका देने से मना करने पर भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू किया। विधानसभा में संसद में पेश हुई रिपोर्ट के तहत दिल्ली सरकार की ओर से आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सेवा और द्वारका एक्सप्रेसवे बनाने के मामले पर चर्चा कराई जा रही है।

नोएडा सीआरपीएफ कैंप पहुंचे अमित शाह

बोले-4 करोड़ पेड़ लगाकर कई पीढ़ियों तक सीआरपीएफ को याद किया जाएगा, बच्चों से कहा-खूब पढ़ो, ताकि नाम रोशन करो

नोएडा। गृह मंत्री अमित शाह ग्रेटर नोएडा के सुत्याना स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ग्रुप सेंटर पहुंचे। गृह मंत्री ने कहा,"सीआरपीएफ ने 4 करोड़ पौधे लगाए हैं। मैंने खुद पीपल का पौधा लगाया है। मुझे पूरा भरोसा है कि 5 करोड़ का लक्ष्य हम हासिल कर लेंगे। ये पेड़ सीआरपीएफ की वीर गाथाओं का प्रतीक माने जाएंगे। आज परमवीर चक्र विजेता शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल एबी तारापुर का जन्मदिन है, उन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। भारत की सरकार ने अंडमान निकोबार के एक द्वीप को नाम एबी तारापुर रखकर उन्हें जीवित रखने का काम किया है।" उन्होंने कहा,"कोरोना की महामारी और आपदा में अपनी जान की परवाह किए बिना सीआरपीएफ देश के लिए हमेशा खड़ी रही। गांव में मेडिकल के लिए भी सीआरपीएफ काम कर रही है। अब सीआरपीएफ पर्यावरण के लिए भी 5 करोड़ पौधे लगाकर बड़ा काम कर रही है। रक्षा से जुड़ी किसी एजेंसी का ये सबसे बड़ा काम माना जाएगा।" उन्होंने कहा,"गृह मंत्रालय के सभी अधिकारियों ने इसकी निगरानी की। इसको अपना कार्यक्रम माना। पौधों की रक्षा के लिए बाड़ा और पिंजरा लगाए गए। अब कई पीढ़ियों तक हम आक्सीजन देने की शुरूआत हो गई है। जिस स्तर से कार्बन डाइआकसाइड हम जनरेट कर रहे हैं, उससे ओजोन की परत में छेद हुआ है। इससे पृथ्वी के तापमान बढ़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के लिए हमने रिसर्च करते हुए पेड़ लगाए हैं। ऐसे पेड़ लगाए गए हैं, जिनकी उम्र 10 से 12 साल न हो। 70 से 80 साल उम्र वाले पेड़ हमने लगाए हैं। बरगद, जामुन, नीम और पीपल पेड़ को हमने चुना है। ये ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पेड़ हैं।" उन्होंने सीआरपीएफ कैंप की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। जिसमें यहां बने आठ भवन भी शामिल है। उन्होंने पौधारोपण के दौरान वहां मौजूद बच्चों से भी बात की। उनसे कहा कि खूब पढ़ो, ताकि अपना और देश का नाम रोशन कर सको। शुक्रवार सुबह सेना के हेलीकॉप्टर से ग्रेटर नोएडा पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह कृभको भवन में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के साथ बैठक में पहुंचे। इस दौरान वन नेशन वन फर्टिलाइजर स्कीम के बारे में बातचीत की। उसकी समीक्षा भी की। उनके आगमन को लेकर प्रशासन और प्राधिकरण स्तर पर तैयारियां हो चुकी है। यहां करीब एक घंटे रुकने के बाद दिल्ली रवाना होंगे।

जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में

पीएम मोदी का संबोधन

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर में हो रहे जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि स्वास्थ्य जीवन का आधार है। कोविड-19 महामारी ने हमें याद दिलाया है कि स्वास्थ्य हमारे निर्णयों के केंद्र में होना चाहिए। इसने हमें सहयोग का मूल्य समझाया है। पीएम मोदी ने कहा कि हमें अगली स्वास्थ्य आपात स्थिति को रोकने, तैयारी करने और प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत में हम एक समावेशी और समग्र दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं, हम स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं, चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली को बढ़ावा दे रहे हैं और सभी को सस्ती स्वास्थ्य देखभाल प्रदान कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का वैश्विक उत्सव समग्र स्वास्थ्य की सार्वभौमिक इच्छा का एक प्रमाण है।

संसद की विशेषाधिकार समिति के सामने अपना पक्ष रखेंगे अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली। असंसदीय व्यवहार के लिए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को निलंबित किया गया था। संसद की विशेषाधिकार समिति अधीर रंजन चौधरी के निलंबन की जांच कर रही है। इसे लेकर आज समिति की बैठक भी हुई। बता दें कि संसद के मानसून सत्र के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी के चलते अधीर रंजन चौधरी को संसद से निलंबित कर दिया गया था। विशेषाधिकार समिति ने कांग्रेस नेता को भी अपना पक्ष रखने का मौका देने का फैसला किया है।खबर के अनुसार, अधीर रंजन चौधरी को 30 अगस्त को विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होने के लिए कहा जा सकता है। 30 अगस्त को ही विशेषाधिकार समिति की अगली बैठक होनी है। बता दें कि मानसून सत्र के दौरान अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा था कि मणिपुर और हस्तिनापुर में कोई फर्क नहीं है। पीएम मोदी नीरव मोदी बनकर चुप्पी साधे हुए हैं। जब सत्ता पक्ष ने इस पर अपना विरोध जताया तो अधीर रंजन चौधरी ने सफाई देते हुए कहा कि नीरव का मतलब शांत रहना होता है और उनका मकसद प्रधानमंत्री का अपमान करना नहीं था।

राम का दर्शन मिलेगा, पर फूल-माला नहीं चढ़ा सकेंगे भक्त, प्रसाद भी नहीं मिलेगा

अयोध्या। जैसे-जैसे राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख करीब आ रही है, लोगों में इस बात की उत्सुकता बढ़ती जा रही है कि उन्हें भगवान राम का दर्शन कैसे प्राप्त होगा। मंदिर में क्या व्यवस्था रहेगी और वे कैसे भगवान की पूजा कर पाएंगे। भक्तों को इस बात से निराशा हो सकती है कि मंदिर के उद्घाटन के बाद वे भगवान राम का दर्शन तो कर पाएंगे, लेकिन उन्हें फूल-माला या नारियल जैसी वस्तुएं नहीं चढ़ा पाएंगे। इतना ही नहीं, भक्तों को मंदिर में कोई प्रसाद भी नहीं मिलेगा। मंदिर प्रशासन की ओर से सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सूत्रों ने अमर उजाला को बताया कि मंदिर परिसर की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भगवान की मुख्य मूर्ति पर फूल-माला या नारियल चढ़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। भगवान के दर्शन के लिए लगने वाली लाइन में एक स्थान तक भक्त फूल-माला ले जा सकेंगे। वहां इसे जमा कर दिया जाएगा और इसे भगवान को अर्पित किया हुआ मान लिया जाएगा। देश के कई शीर्ष मंदिरों में इसी तरह की व्यवस्था पहले से ही है जहां भक्तों को फूलमाला मूर्ति तक ले जाने की अनुमति नहीं होती। मुख्य प्रतिमा के दर्शन के पहले उसे जमा करा लिया जाता है। जब भक्त भगवान राम का दर्शन करने के बाद बाहर की ओर निकलने लगेंगे तो अंतिम छोर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सेवादारों के द्वारा पैकेट बंद प्रसाद भक्तों को दिया जाएगा। इस समय माता वैष्णो देवी धाम में भी इसी तरह की व्यवस्था चल रही है।

संपादकीय

रूढ़िवादिता पर चोट

देश की सर्वोच्च अदालत ने लैंगिक आधार पर दशकों से चली आ रही रूढ़िवादिता पर अंकुश लगाने के लिए जो पुस्तिका जारी की है, वह सुखद और स्वागतयोग्य है। प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की यह उत्साहजनक पहल देश में समग्र सामाजिक परिवेश को बदलने में भी अपना योगदान देगी। महिलाओं और यौन अपराधों के संदर्भ में अदालतों में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ वाक्यांशों को सूचीबद्ध किया गया है और उनकी जगह दूसरे सभ्य शब्द प्रस्तावित किए गए हैं। ऐसे लगभग 43 शब्दों को रेखांकित किया गया है, जिनके इस्तेमाल से अब अदालतों को बचना होगा। न्याय के मंदिर में महिलाओं को पूरा सम्मान और समता का लाभ देने के लिए अनुचित शब्दों का इस्तेमाल रोकना हमेशा से जरूरी रहा है। याचिकाओं की भाषा के साथ-साथ आदलती आदेशों में भी सही शब्दों का जब इस्तेमाल होगा, तो उससे महिलाओं की गरिमा की रक्षा होगी। इसमें कोई शक नहीं कि महिला पीड़ितों, अभियुक्तों और गवाहों को कमजोर करने के लिए अक्सर ऐसे शब्दों या सवालों का इस्तेमाल होता है, जिनसे वास्तव में अन्याय का ही मार्ग प्रशस्त होता है। महिलाओं के बारे में समझ को सम्मानजनक बनाने का प्रयास करती यह पुस्तिका वस्तुत- एक न्यायप्रिय समाज के निर्माण में सहायक होगी। जब न्याय के मंदिर में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल रुकेगा, तब बाकी समाज में भी इजहार का नया ढंग आएगा। खासतौर पर न्यायाधीशों को सजग रहना होगा, ताकि ऐसी कारगर पुस्तिका का ज्ञान कागजों में ही कैद होकर न रह जाए। वास्तव में, यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। हम जानते हैं कि न्याय के मंदिर में भी एक आम गरीब महिला के साथ भाषा और व्यवहार के स्तर पर प्रतिकूलता होती है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पुलिस के स्तर पर भी बहुत सारे अपशब्द प्रचलित हैं। क्या अदालतें पुलिस की भाषा में भी सुधार लाने के लिए प्रयास कर सकती हैं? क्या इसी पुस्तिका को रक्षा-सुरक्षा संबंधी महकमों में भी लागू किया जा सकता है? बहरहाल, प्रधान न्यायाधीश ने अपना काम कर दिया है, अब संबंधित मंत्रालयों को भी भाषा और सोच सुधार के लिए युद्ध स्तर पर प्रयत्न करने चाहिए। तमाम कानूनों, नियम-कायदों और प्रक्रियाओं को महिलाओं के अनुकूल बनाने की ओर इस देश को अवश्य बढ़ना चाहिए। लैंगिक असमानता को दूर करना देश के तेज आर्थिक विकास के लिए भी जरूरी है। हैंडबुक ऑन कॉम्बैटिंग जेंडर नामक यह पुस्तिका देश के आम लोगों के लिए भी पठनीय और अनुकरणीय होनी चाहिए। ऐसे सुधार केवल न्यायपालिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए स्वीकार्य होने चाहिए। देश में मातृशक्ति के प्रति संवेदनशीलता की बड़ी जरूरत है। आमतौर पर महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले फूहड़, वेश्या, पतित महिला, भारतीय महिला, पश्चिमी महिला, पवित्र महिला जैसे शब्दों की आखिर क्यों जरूरत है? प्रधान न्यायाधीश ने पुस्तक की प्रस्तावना में साफ लिखा है कि इसका उद्देश्य महिलाओं के बारे में रूढ़िवादिता को पहचानने, समझने और उसका मुकाबला करने में न्यायाधीशों व विधि समुदाय की सहायता करना है। हालांकि, इस पुस्तिका का पालन अनिवार्य नहीं है, पर इसकी जरूरत से भला कौन इनकार कर सकता है? इस पुस्तिका की रोशनी में आगे बढ़ने में ही नारी शक्ति का सम्मान और देशहित है।

आस्था, प्रेम व सौंदर्य का त्यौहार है तीज

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(19 अगस्त तीज पर विशेष)

इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं।

श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं।

श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है। अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है।

तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौंहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का राशिफल

मेष

शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ

पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन

दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क

पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह

रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या

पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला

आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक

पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु

जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर

दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ

गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन

पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

जब प्रकृति हरियाली चादर ओढ़ती है तब मनाई जाती है तीज!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

सावन माह में जब प्रकृति ने हरियाली की चादर ओढ़ी होती है, तब हर किसी के मन में उन्मुक्तता के मोर नाचने लगते हैं। पेड़ों की डाल पर या फिर घरो के दलान में झूले पड़ जाते हैं। सुहागन स्त्रियों के लिए यह व्रत बहुत ही महत्वपूर्व है। आस्था, सौंदर्य और प्रेम का यह उत्सव भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। चारों तरफ हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं। इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, गाती हैं और खुशियां मनाती हैं।महिलाएं इस दिन उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये मंत्र का जाप करें। पूजा शुरू करने से पूर्व काली मिट्टी से भगवान शिव और मां पार्वती तथा भगवान गणेश की प्रतिमा बनाकर स्थापित करे।फिर थाली में सुहाग की सामग्रियों को सजा कर माता पार्वती को अर्पण करें व भगवान शिव को उनके वस्त्र अर्पण करें ।सुनीता,रश्मि,रेखा, रचना,श्रद्धा,उर्वशी,गार्गी ,विदेही कोई भी हो,सबका एक ही मन है कि सावन के इस महीने में पेड़ पर या फिर दलान में झूला डालकर उन्मुक्त हवाओ की सैर की जाए ।उनकी सोच है कि भारतीय संस्कृति से जुड़े सावन के लोकगीत गाकर अपनी संस्कृति को जिंदारखने की हर संभव कोशिश भी होती रहे। गांव गांव और शहर शहर जैसे जैसे हरियाली तीज का त्यौहार नजदीक आता है, रिमझिम बारिश की फुहारों के बीच सावन की बहार भी आनी शुरू हो जाती है। लगभग हर गांव व हर शहर में पेड़ों पर या फिर घरो में झूले पड़े मिल जाते है। हालांकि जगह की कमी के चलते और संयुक्त परिवार के अभाव में अब झूले भी अतीत बनते जा रहे है। सावन की कभी गर्मी पड़ती है तो थोड़ी देर में ही बरसात आकर तन-मन को भिगो देती है। सावन का प्रिय व्यंजन घेवर है जिसे खाने-खिलाने की होड़ सी लगी रहती है। घेवर ही सावन माह की खास मिठाई है। मंदिरों में वेद,पुराण व भागवत की कथाएं चलती रहती है। भंडारे होना भी आम बात हैं। विवाहित महिलाएं अपने मायके आकर यह त्यौहार मनाने की कोशिश करती हैं तो नवविवाहिताओं को सिंधारा जिसे कोथली भी कहते है, भिजवाई जाती है। तीज चूंकि सावन माह का पर्व है और कल्याणकारी भगवान शिव की स्तुति, उपासना व प्रार्थना का दौर विशेष रूप से इस माह में चलता है। तीज की कथाओ में शिव पार्वती से कहते है, पार्वती तुमने मुझे अपने पति रूप में पाने के लिए 107 बार जन्म लिया, किन्तु मुझे पति के रूप में पा न सकीं। 108 वीं बार तुमने पर्वतराज हिमालय के घर जन्म लिया। तुमने मुझे वर के रूप में पाने के लिए हिमालय पर घोर तप किया था। इस दौरान तुमने अन्न-जल त्याग कर सूखे पत्ते चबाकर दिन व्यतीत किये। मौसम की परवाह किए बिना तुमने निरंतर तप करती रही। तुम्हारी इस स्थिति को देखकर तुम्हारे पिता बहुत दुःखी और नाराज़ थे। परन्तु तुम वन में एक गुफा के भीतर मेरी आराधना में लीन थी। भाद्रपद तृतीय शुक्ल को तुमने रेत से एक शिवलिंग का निर्माण कर मेरी आराधना की जिससे प्रसन्न होकर मैंने तुम्हारी मनोकामना पूर्ण की। इसके बाद तुमने अपने पिता से कहा कि 'पिताजी, मैंने अपने जीवन का लंबा समय भगवान शिव की तपस्या में बिताया है और भगवान शिव ने मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर मुझे स्वीकार कर लिया है। अब मैं आपके साथ एक ही शर्त पर चलूंगी कि आप मेरा विवाह भगवान शिव के साथ ही करेंगे। पर्वतराज ने तुम्हारी इच्छा स्वीकार कर ली और तुम्हें घर वापस ले गये। कुछ समय बाद उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ विवाह किया। हे पार्वती! भाद्रपद शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के परिणाम स्वरूप हम दोनों का विवाह संभव हो सका। इस व्रत का महत्व यह है कि इस व्रत को पूर्ण निष्ठा से करने वाली प्रत्येक स्त्री को वांछित फल मिलता है। भगवान शिव ने पार्वती जी को वरदान दिया कि इस व्रत को जो भी स्त्री पूर्ण श्रद्धा से करेंगी उसे तुम्हारी तरह अचल सुहाग की प्राप्ति होगी।

सावन आते ही महिलाएं अपने भाई-भाभी व बहनो से मिलने की उम्मीद करने लगती हैं। वे अपने पति व सास से अपने मायके जाने की विनय प्रार्थना करने लगती हैं ।गीत भी है, बहुत दिना हो गए पिया मोय, सावन शुगन मनाऊंगी, भैया आयो मोय लिवावे, मैं पीहर कू जाऊंगी ।वही सावन आने की प्रार्थना भी कुछ इस तरह से की जाती है, कच्चे नीम की निबौरी, सावन जल्दी अईयो रे, अम्मा दूर मत दीजौ, दादा नहीं बुलावेंगे, भाभी दूर मत दीजौ, भइया नहीं बुलावेंगे ।सावन में तीज पर

झूले पर झूलती हुई किशोरियों को देखकर उनके मन की उन्मुक्तता का अहसास होता है। लड़कियां पेड़ व मुंडेरों पर बैठी हुई चिड़ियों को देखकर अपने मन के भाव को कुछ यूं प्रकट कर देती हैं ,

पेड़ पै दो चिड़ियां चूं-चूं करती जाएं, वहां से निकले हमारे भइया, क्या-क्या सौदा लाए जी, मां को साड़ी, बाप को पगड़ी और लहरिया लाए जी, बहन की चुनरी भूल आए, सौ-सौ नाम धराए जी। इसके अलावा,

राधा रानी के नथ पे मोर, नाचे थई-थई

महिलाएं ससुराल में झूला झूलती है तो उनकी सहेलियां उनसे मज़ाक करने से भी नहीं चूकती। वे कहती हैं , दुरानी-जिठानी ताने मारती, हे री काहे की तेरी मात, काहे के तेरे वीर, तू झूले अपने सासरे री।

झूला झूलती महिलाओं में कोई लंबी पीगें बढाती है तो कोई झोंटा देकर उन्हें हवा में उछालती हैं। महिलाएं गाती हैं,

झूला तो पड़ गए अमुआं की डार पै ।

तीज पर मेंहदी रचाने का सबका जुनून रहता है। राधा-कृष्ण को भी कुछ इस तरह याद किया जाता है ,

आया सावन, बड़ा मन भावन, रिमझिम सी पड़े फुहार, राधा झूल रही कान्हा संग,दिल हुआ बाग बाग। सावन की तीज महिलाओं के लिए खास खुशी और उन्मुक्तता का पर्व है।जिसके माध्यम से विवाहिताओं का मायके से मिलन का भी अवसर बनता है।तीज के लोकगीतों से भारतीय संस्कृति व लुप्त होते जा रहे झूले को भी प्राण वायु मिलती है।यही हमारी सांस्कृतिक विरासत है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

अंतरिक्ष मिशन में भारत की ऐतिहासिक सफलता

(लेखक-सनत जैन)

अंतरिक्ष मिशन चंद्रयान-3 अपने लक्ष्य के बिल्कुल नजदीक पहुंच गया है। जल्द ही यह चंद्रमा पर लैंड करेगा। सारी दुनिया के देशों में इतिहास के पन्नों में भारत का नाम इस असाधारण सफलता के लिए दर्ज होगा। चंद्रयान 3 के प्रोपल्शन माड्यूल और लेंडर माड्यूल चंद्र की कक्षा में सफलतापूर्वक अलग-अलग हो गए हैं। यान से अलग होकर लैंडर अब चंद्रमा की सतह पर चक्कर लगा रहा है। चंद्रमा से मात्र 100 किलोमीटर की दूरी पर चक्कर लगा रहा है। 23 अगस्त को शाम को लैंडर विक्रम की चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी सफलतापूर्वक हो गई है। इस लेंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरने के बाद भारत अंतरिक्ष की दौड़ में शीर्ष पर पहुंच गया है। जल्द ही भारत चंद्रमा को लेकर ऐसे नए-नए खुलासे करेगा। जिससे प्रक्रति और मानव उत्थान के नए रहस्य उजागर होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो की यह सबसे बड़ी सफलता है। जैसे ही यान से लेंडर अलग हुआ। उसके बाद इसरो सहित देश के सभी हिस्सों में खुशी की लहर दौड़ गई। 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान 3 मिशन चांद की ओर रवाना हुआ था। 1 अगस्त को सिलन्गशाट के बाद पृथ्वी की कक्षा छोड़कर वह चंद्रमा की कक्षा में 5 अगस्त को प्रवेश कर गया था। 16 अगस्त को अंतरिक्ष की सभी कक्षाओं को पार करके चंद्रमा के कक्ष में पहुंच गया है। यान से सफलता पूर्वक लैंडर मॉड्यूल अलग हो गया। 23 अगस्त को लेंडर चंद्रमा में लैंड करेगा। 6 पहियों वाला यह रोवर प्रज्ञान अंतरिक्ष के कई ऐसे रहस्य को उजागर करने वाला होगा। जिनकी जानकारी अभी तक दुनिया को नहीं है। चंद्रमा की सतह पर जो जो वातावरण है,खनिज है, चंद्रमा के जीवन को लेकर तथा ब्रह्मांड में पर्यावरण और आने वाली कठिनाइयों का कारण जानने के लिए यह मुहिम सारी दुनिया को एक नया रास्ता दिखाएगी। अभी तक चंद्रमा में जो भी खोज हुई है। वह खोज भूमध्य रेखीय क्षेत्र में और चंद्र भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण के कुछ हिस्सों में हुई है। उस हिसाब से यह मिशन सारी दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत के वैज्ञानिकों ने चंद्र यान मिशन में जिस तरह की सफलता प्राप्त की है। उसे दुनिया के बड़े-बड़े देश चौंक गए हैं। एक बार फिर इसरो का डंका सारी दुनिया में बज गया है। इसरो के वैज्ञानिकों को इस सफलता के लिए जितनी भी बधाई दी जाए, वह कम है। सेटेलाइट के क्षेत्र में भी इसरो ने सारी दुनिया मे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में सारी दुनिया के देशों का नेतृत्व करने के लिए अब भारत तैयार हो गया है। भारत मे शोध को लेकर सरकारों द्वारा वह सुविधा नहीं दी जाती है। जो उन्हें मिलनी चाहिए। शोध कार्यो के लिए यदि सरकार हर किस्म के

संसाधन उपलब्ध कराए, तो भारत सारी दुनिया का सिरमौर बन सकता है। भारत के जुगाडू दिमाग का सारी दुनिया लोहा मानती है। चंद्रयान की सफलता के बाद,सरकार को इस दिशा में विशेष रूप से,इसरो और अन्य संस्थान जो शोध के माध्यम से नई नई सफलताएं अर्जित कर रहे हैं।उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सब्सिडी घटने से ईवी वाहनों की मांग में आई कमीः रिपोर्ट

मुंबई । इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद पर दी जाने वाली 'फेम' सब्सिडी घटने के बाद दोपहिया ईवी की मांग कमजोर हो गई है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन कंपनियों को अब शोध एवं विकास (आरएंडडी) के माध्यम से कीमत कम करने पर ध्यान देना होगा। केयर रेटिंग द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न कारणों से दोपहिया वाहनों (ईवी समेत) के लिए मध्यम अवधि में बिक्री कम रहने की आशंका हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोपहिया वाहनों के मुख्य खंड विशेष रूप से 75 सीसी से 110 सीसी की बाइक और 75 सीसी से 125 सीसी के स्कूटर की बिक्री में वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-22 में बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसमें कुछ सुधार देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी बड़ी गिरावट आई जब सरकार द्वारा मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) के लिए सब्सिडी 'फेम' को दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि सब्सिडी 15,000 किलोवाट घंटा से घटाकर 10,000 किलोवाट घंटा करने और फैक्टरी कीमत पर पूर्व में 40 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत करने से दोपहिया वाहन बिक्री में अनिश्चितता आई है।

12 एमएम टीएमटी सरिए का भाव 50 हजार कम हुआ

नई दिल्ली । देश के लगभग हर हिस्से में 12 एमएम टीएमटी सरिए का भाव 50 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन से कम हो गया है। देश में एक बार इसका भाव 1 लाख रुपए प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गया था। इसी साल जनवरी में सरिया 60-65 हजार रुपए प्रति टन के भाव बिक रहा था। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्यों की गति धीमी पड़ने से कंस्ट्रक्शन मटेरियल की डिमांड भी कम हो गई है। इसी कारण सरिए के भाव टूटे हैं। सरिये के साथ-साथ ईंट और सीमेंट के भाव भी अभी नरम चल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में 12 एमएम टीएमटी का भाव 16 अगस्त, 2023 को 49,800 रुपए प्रति मीट्रिक टन था। दिल्ली में सरिया 48,000 रुपए प्रति मीट्रिक टन बिक रहा था तो राजस्थान के जयपुर में इसका भाव 48,200 रुपए था। हैदराबाद में सरिए का रेट दिल्ली और जयपुर के मुकाबले कम है। यहां यह 46,500 रुपए प्रति टन के हिसाब से बेचा जा रहा है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में सरिए का भाव 44,400 रुपए प्रति मीट्रिक टन है। गुजरात के भावनगर में इसका भाव 49,000 रुपए प्रति मीट्रिक टन 16 अगस्त को था। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 12 एमएम टीएमटी का रेट 47,200 रुपए प्रति मीट्रिक टन है। इसी तरह मध्यप्रदेश प्रदेश के इंदौर में इसका भाव 48,500 रुपए है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता और दुर्गापुर में सरिए का रेट 43,200 रुपए प्रति मीट्रिक टन है। महाराष्ट्र के मुंबई में सरिया 47,700 रुपए और जालना में 47,500 रुपए प्रति मीट्रिक टन मिल रहा है।

सोना और चांदी की कीमतों में इजाफा

- सोना 58 हजार और चांदी 70 हजार के पार

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की वायदा कीमतों में शुक्रवार को तेजी दिखाई दे रही है। आज दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले, जबकि इस सप्ताह ज्यादातर दिन दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले थे। इस तेजी के बाद चांदी के वायदा भाव 70 हजार रुपए पार कर गए हैं, जबकि सोने के वायदा भाव 58 हजार रुपए से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा हुआ। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 422 रुपए की तेजी के साथ 70,440 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 401 रुपए की तेजी के साथ 70,419 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 70,450 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 70,362 रुपए प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। मई महीने में चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 80 रुपए की तेजी के साथ 58,370 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 120 रुपए की तेजी के साथ 58,410 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 58,429 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 58,370 रुपए के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के भाव तेजी के साथ खुले। कामेक्स पर सोना 1919.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछले बंद प्राइस 1915.20 डॉलर था।

फिलहाल यह 7 डॉलर की तेजी के साथ 1922.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.75 डॉलर के भाव पर खुले, जबकि पिछला बंद प्राइस 22.71 डॉलर था। फिलहाल यह 0.16 डॉलर की तेजी के साथ 22.87 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

प्रमुख 10 देशों में भारत का निर्यात सिर्फब्रिटेन को बढ़ा

नई दिल्ली ।

वैश्विक मांग कम होने की वजह से वित्त वर्ष 2023-24 के पहले 4 महीनों अप्रैल-जुलाई के दौरान भारत के प्रमुख 10 निर्यात केंद्रों में सिर्फ ब्रिटेन को किया जाने वाला वाणिज्यिक निर्यात बढ़ा है। कुल मिलाकर अप्रैल-जुलाई के दौरान वाणिज्यिक निर्यात में 14.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। लगातार छठे महीने वाणिज्यिक निर्यात कम हुआ है। बहरहाल ब्रिटेन को होने वाले निर्यात में 20.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस अवधि के दौरान यह बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। इसकी वजह से वित्त वर्ष 23 की इस अवधि में ब्रिटेन आठवें बड़े निर्यात केंद्र से ऊपर पहुंचकर भारत का पांचवां सबसे बड़ा निर्यात केंद्र बन गया है। जुलाई के लिए अलग-अलग देशों के आंकड़े उपलब्ध नहीं है, लेकिन अप्रैल-जून के आंकड़ों से पता चलता है कि विमान ईंधन (32.4 करोड़ डॉलर), स्मार्ट फोन (29.25 करोड़ डॉलर) और वाल पेपर (14.72 करोड़ डॉलर) के निर्यात ने भारत से ब्रिटेन को होने वाला निर्यात बढ़ाया है। अन्य प्रमुख निर्यात केंद्रों में अमेरिका को होने वाला निर्यात 12.5 प्रतिशत घटा है।

निवेश गतिविधियां तेज, पूंजीगत व्यय बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रहने का अनुमान

मुंबई । देश में निवेश गतिविधियों में तेजी आ रही है और पूंजी निवेश चालू वित्त वर्ष में 80 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन में प्रकाशित लेख में यह कहा गया है। इस लेख में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता उपयोग में सुधार, कर्ज मांग में तेजी और उपभोक्ता धारणा में सुधार से पूंजीगत व्यय को समर्थन मिल रहा है। इसमें कहा गया है कि कंपनियों और बैंकों दोनों के बही-खातों को दुरुस्त करने से उधार गतिविधियों में तेजी आई है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि लेख में जो विचार दिये गए हैं, वह लेखकों के हैं और वह आरबीआई के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। जो परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, उसमें लगने वाली पूंजी के आधार पर पता चलता है कि पूंजीगत व्यय 2023-24 में उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 1,71,568 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो 2022-23 में 94,876 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2022-23 में परियोजनाओं की कुल लागत में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण क्षेत्र बना रहा। इसमें बिजली, दूरसंचार, बंदरगाह और हवाई अड्डे, भंडारण और जल प्रबंधन, विशेष आर्थिक क्षेत्र, औद्योगिक, जैव प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी पार्क और सड़कें और पुल शामिल हैं। लेख में कहा गया है कि बीते वित्त वर्ष में बुनियादी ढांचे के अलावा, धातु और धातु उत्पाद, निर्माण, कपड़ा और खाद्य उत्पाद की परियोजनाओं की कुल लागत में अच्छी हिस्सेदारी रही।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 202 , निफ्टी 55 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके साथ ही अमेरिकी बाजार में दरों के बढ़ने की आशंका से भी बाजार पर दबाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 202.36 अंक करीब 0.31 फीसदी नीचे आकर 64,948.66 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 55.10 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी टूटकर 19,310.15 अंक पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 8 शेयर ही लाभ के साथ हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस के शेयर सबसे अधिक 0.83 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं मारुति, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक और एचयूएल सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। इसके अलावा टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों को लाभ हुआ।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 22 शेयर नुकसान पर बंद हुए। टीसीएस, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस और पावर ग्रिड सेंसेक्स के सबसे अधिक गिरने वाले पांच शेयरों में शामिल रहे। सबसे ज्यादा 2.07 फीसदी टीसीएस के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 208.48 अंक की गिरावट के साथ 64,942.54 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 64.20 अंक की गिरावट के साथ 19,301.05 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 388.40 अंक की गिरावट के साथ 65,151.02 अंक पर बंद हुआ।

दूसरी ओर एशियाई और अमेरिकी शेयर बाजारों में भी गिरावट रही क्योंकि चीन की रियल एस्टेट दिग्गज एवरग्रांडे ने दिवालियापन के लिए आवेदन

एयर इंडिया का शानदार ऑफर, 1470 रुपए में करें हवाई यात्रा

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की ऑनरशिप वाली एयर इंडिया अपने घरेलू और इंटरेनशल रूट नेटवर्क पर 96 घंटे की` विशेष सेल शुरू` किया है। इस ऑफर के जरिए एयर इंडिया यात्रियों को आकर्षक किराए पर अपनी आगामी यात्राओं की प्लानिंग करने का मौका दे रही है। इकोनॉमिक क्लास के लिए घरेलू रूट्स पर एक तरफ के किराये की शुरुआत 1,470 रुपए और बिजनेस क्लास के लिए 10,130 रुपए से शुरू हो रही है। एयरलाइन ने कहा कि इसी तरह के आकर्षक किराये कुछ चुनिंदा इंटरनेशनल रूट्स के लिए भी उपलब्ध हैं। इस ऑफर का लाभ एयर इंडिया की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिए टिकटों की बुकिंग कर उठाया जा सकता है। बुकिंग सर्विस`` निशुल्क है। एयर इंडिया के फ्लाइंग रिटर्न्स मेंबर्स सभी टिकटों पर डबल लॉयल्टी बोनस अंक हासिल कर सकते हैं। कंपनी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के अलावा सेल के तहत बुकिंग अधिकृत ट्रैवल एजेंटों और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंटों के जरिए

भी डायरेक्ट चैनल बुकिंग से जुड़े बिना स्पेशल लाभ के भी की जा सकती है। इस सेल के तहत सीटें लिमिटेड हैं और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध हैं। एयरलाइन ने सेल की शुरुआत 17 अगस्त से शुरू कर दी है। यात्री चुनिंदा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर एक सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच यात्रा के लिए 20 अगस्त तक टिकटों की बुकिंग कर सकते हैं। 20 अगस्त 2023 को टिकटों की सेल रात 11.59 बजे तक खुली रहेगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । भारतीय पेट्रोल और डीजल बाजार में शुक्रवार को भी कीमत में कोई फेरबदल नहीं हुआ। चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल के भाव जैसे के तैसे बने हुए हैं लेकिन राज्य स्तर पर लगने वाले टैक्स के कारण विभिन्न शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

जर्मनी में नियो इटी 5 कार मॉडल व निओ ईपी 9 स्पोर्टस कार नियो हाउस में पेश किये गये। ये चीनी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी नियो का बर्लिन में बना शोरुम है।

सरकार ने 52 लाख फर्जी मोबाइल कनेक्शन किए रद्द

- मोबाइल सिम कार्ड बेचने वाले 67000 डीलरों को किया ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सिम कार्ड और व्हाट्सएप अकाउंट को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमने धोखाधड़ी से प्राप्त किए गए 52 लाख कनेक्शनों का पता लगाया और उन्हें निष्क्रिय किया है, मोबाइल सिम कार्ड बेचने वाले 67000 डीलरों को ब्लैकलिस्ट कर दिया। मई 2023 से अभी तक सिम कार्ड डीलरों के खिलाफ 300 एफआईआर दर्ज की गई हैं। 66,000 व्हाट्सएप अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया है। सरकार ने फर्जी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सिम कार्ड डीलरों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया है और बल्क कनेक्शन का प्रावधान भी बंद कर दिया है। सरकार ने 67000 डीलरों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। मंत्री ने कहा कि व्हाट्सऐप ने भी अपने आप ही लगभग 66,000 अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है जो धोखाधड़ी जैसी गतिविधियों में लिप्त थे। वैष्णव ने कहा कि अब हमने धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए सिम डीलरों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया है। नई गाइडलाइन के अनुसार बिना पुलिस वेरिफिकेशन सिम कार्ड बेचने पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना है। दूरसंचार मंत्री के मुताबिक देश में करीब 10 लाख सिम कार्ड डीलर हैं जिन्हें पुलिस वेरिफिकेशन कराना होगा। इसके अलावा बिजनेस (दुकान) का भी केवाईसी कराना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले डीलरों पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। पुलिस वेरिफिकेशन के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा।

बिजनेस की केवाईसी, सिम लेने वाले व्यक्ति की केवाईसी भी की जाएगी।

नथिंग ईयर (2) अब ब्लैक कलर वैरिएंट में भी पेश

-इसकी कीमत कर सकती है निराश

नई दिल्ली ।

कुछ समय पहले कंपनी ने नथिंग ईयर (2) को लॉन्च किया था। अब इसके ब्लैक कलर वैरिएंट को भी पेश किया है। व्हाइट कलर वैरिएंट की तरह ही नथिंग ईयर(2) के बॉक्स में आपको टाइप-सी चार्जिंग केबल ईयरटिप्स के सेट और वारंटी और यूजर मैनुअल डॉक्यूमेंट्स मिलेंगे। ब्लैक वैरिएंट भी ट्रांसपेरेंट डिजाइन के साथ आते हैं। ये दिखने में ज्यादा अट्रैक्टिव लगते हैं। अगर आप इसका व्हाइट कलर वैरिएंट लेने की सोच रहे थे तो आप बिना किसी डाउट ब्लैक कलर वैरिएंट को खरीद सकते हैं।ब्लैक कलर के साथ अच्छी बात है कि ये ज्यादा गंदा नहीं होता है। ईयरबड्स के बाकी डिजाइन और क्वालिटी पिछले वर्जन जैसी ही है। इसमें भी आपको ट्रांसपेरेंट डिजाइन दिया गया है। इसे लोग बार-बार देखते हैं। साउंड क्वालिटी की बात करें तो जैसा की ऊपर बताया गया सब पहले जैसा ही हैयहां ध्यान देने वाली बात है कि पहले जैसा मतलब नथिंग ईयर(2) के व्हाइट वैरिएंट से है। आप एचडी क्वालिटी में साउंड सुन सकेंगे। इसमें 11.6 एमएम डायनामिक ड्राइवर्स दिए गए हैं। इस वजह से आपको काफी डिटेल्ड साउंड क्वालिटी मिलती है। इसका बेस भी काफी ज्यादा अच्छा है। हालांकि, इसके लिए आप ईयरबड्स के मोबाइल से कस्टमाइज कर सकते हैं। ऐप से आप प्रोफाइल भी सेलेक्ट कर सकते हैं। आपके कान के अनुसार ये एडजस्ट हो जाते हैं। अच्छी बात है कि इसमें डुअल कनेक्शन का सपोर्ट दिया गया है।

बैटरी की बात करें तो बैटरी बैकअप ठीक-ठाक है। इसको चार्ज करने के लिए टाइप-सी पोर्ट दिया गया है। केबल बॉक्स अंदर ही है। कंपनी का दावा है कि 10 मिनट के चार्ज पर इससे 8 घंटे तक म्यूजिक सुना जा सकता है। आप केस को फुल चार्ज करने 36 घंटे तक का प्लैबैक टाइम ले सकते हैं। यानी अगर आपका यूज एवरेज है तो आप इसको आसानी 5-6 दिन चला सकते हैं। अगर आप 10 हजार रुपये में इयरबड्स खरीदना चाहते हैं जो स्टाइलिश होने के साथ साउंड क्वालिटी भी अच्छी देते हो तो आप नथिंग ईयर (2) के साथ जा सकते हैं।

एप्पल ने जारी की आईफोन यूजर्स के लिए चेतावनी!

नई दिल्ली ।

अगर आप अपने आईफोन को चार्ज करते हुए अपने तकिए के पास रखते हैं या अपने आस-पास कहीं रखते हैं तो ऐसा करना बंद कर दीजिए। दरअसल, एप्पल ने हाल ही में एक चेतवानी जारी की है जिसमें लोगों को चार्जिंग फोन के बगल में सोने के संभावित खतरों के प्रति सचेत किया गया है। कंपनी ने कहा कि इससे आग, इलेक्ट्रिक शॉक, इंजरी और गंभीर नुकसान आपको या फोन को पहुंच सकता है। इस तरह के खतरे से बचने के लिए हमेशा फोन को अच्छे वेंटिलेशन वाले क्षेत्र में चार्ज करें। कंपनी ने कंबल या तकिये के नीचे फोन चार्ज करने से भी आगाह किया है। इससे आईफोन के गर्म होने का खतरा बढ़ जाता है और फोन या आपको नुकसान पहुंच सकता है। कंपनी ने थर्ड पार्टी चार्जर के लिए आगाह किया है। एप्पल ने कहा कि सस्ते थर्ड पार्टी चार्जर का इस्तेमाल न करें क्योंकि इनमें सुरक्षा मानकों की कमी होती है। हमेशा कंपनी का चार्जर ही इस्तेमाल करें और सेफ प्रैक्टिस अपनाएं। हमारी स्टोरी पढ़ रहे लोगों के सलाह है कि फोन के साथ आए चार्जर का ही इस्तेमाल करें और फोन चार्ज होने के दौरान इसमें कुछ भी काम-काज न करें। सेफ प्रैक्टिस यही है कि आप पहले इसे चार्ज होने दें और फिर कॉल आदि करें। खराब केबल या चार्जर का उपयोग करने या नमी की उपस्थिति में चार्ज करने से आग लग सकती है।

अर्जुन तेंदुलकर ने पृथ्वी का मनोबल बढ़ाया

मुम्बई । अर्जुन तेंदुलकर ने अपने करियर के कठिन दौर से गुजर रहे अपने बचपन के साथी सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के लिए दुआ मांगी है। पृथ्वी काउंटी क्रिकेट में चोटिल होने के बाद स्वदेश लौट आये हैं। पृथ्वी को फार्म में नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। जिसके बाद वह लय हासिल करने के लिए इंग्लैंड में कांउटी क्रिकेट खेलने चले गये थे। वहां पृथ्वी ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक दोहरा शतक और एक शतक लगाया अपनी लय हासिल कर ली पर वह इसी दौरान कोहनी की चोट के कारण टीम से बाहर हो गये। इन्हीं मुश्किल हालातों में अर्जुन तेंदुलकर ने उनके लिए एक पोस्ट साझा कर अपना समर्थन दिया है। पृथ्वी ने नॉर्थम्पटनशायर के लिए केवल चार मैचों में शानदार बल्लेबाजी कर चार सौ से ज्यादा रन बनाये। उनकी बदौलत टीम कुछ मैच भी जीती हुई।वहीं नॉर्थम्पटनशायर के मुख्य कोच जॉन सैडलर ने कहा, अपने छोटे से कार्यकाल में पृथ्वी ने हम पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। यह बहुत निराशा की बात है कि वह इस प्रतियोगिता के बाकी मैचों में हमारे साथ नहीं रहेंगे। वह बहुत विनम्र खिलाड़ी है और नॉर्थम्पटनशायर का प्रतिनिधित्व करने के अवसर के लिए बहुत आभारी है।

विश्वकप में ये हो सकता है भारतीय टीम का बल्लेबाज क्रम

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए सभी टीमों से पांच सितंबर तक अपनी संभावित टीमें घोषित करने को कहा है। तभी से ये अनुमान लगाये जा रहे हैं कि भारतीय टीम में कौन से खिलाड़ी होने चाहिये और उन्हें किस क्रम पर उतारना ठीक होगा जिससे कि टीम जीत दर्ज कर सके। अपनी ही मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। जहां तक पारी की शुरुआत है सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और शुभमन सबसे बेहतर रहेंगे। रोहित से अच्छा दूसरा कोई सलामी बल्लेबाज नहीं है। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कुछ ही समय में मैच बदल देते हैं। वहीं उनके जोड़ीदार के तौर पर शुभमन सबसे बेहतर हैं। शुभमन ने इस साल की शुयआत से ही एकदिवसीय में काफी रन बनाये हैं। उन्होंने हर प्रारुप में शतक लगाकर अपने को साबित भी किया है। गिल ने अब तक कुल 27 मैच खेलते हुए 27 पारियों में 62.48 की औसत से 1437 रन निकले हैं। वहीं तीसरे क्रम पर विराट कोहली का जवाब नहीं है। उन्होंने इस स्थान पर कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। कोहली ने अबतक 275 एकदिवसीय मैचों की 265 पारियों में 57.32 की औसत से 12898 रन बनाये हैं। वहीं फिट होने पर चौथे स्थान के लिए श्रेयस अय्यर सबसे बेहतर रहेंगे। इसका कारण एकदिवसीय में उनका बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। उन्होंने इस प्रारुप में अबतक कुल 42 एकदिवसीय की 38 पारियों में 46.6 की औसत से 1631 रन बनाये हैं। एकदिवसीय प्रारुप में उनके नाम दो शतक और 14 अर्द्धशतक शामिल हैं। पांचवें स्थान पर बतौर विकेटकीपर केएल राहुल खेलेंगे। वहीं छठे स्थान पर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या उतरेंगे। पंड्या गेंद और बल्ले दोनों से ही अहम योगदान देते हैं। वह एक अच्छे फिनिशर भी हैं। उन्होंने अब तक कुल 77 एकदिवसीय की 58 पारियों में 1666 रन बनाये हैं।सातवें स्थान पर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह मैच को अंत तक ले जाते हैं। आठवें स्थान पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह व नौवें स्थान पर मोहम्मद शमी जबकि दसवें स्थान पर स्पिनर कुलदीप यादव उतरेंगे। 11वें खिलाड़ी के रूप में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को अवसर मिल सकता है।

ऑस्ट्रेलिया को झटका , स्मिथ और स्टार्क दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर हुए

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क घायल हो गये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे में एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी हैं। आगामी विश्वकप को देखते हुए ये दौरा अहम माना जा रहा है। स्मिथ कलाई की चोट के कारण टी20 और एकदिवसीय दोनों ही सीरीज नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह एस्टन टर्नर को टी20 टीम में शामिल किया गया है जबकि मार्नस लैबुशेन को एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। कप्तान पैट कमिंस पहले से ही घायल हैं जिससे टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। स्टार्क एशेज सीरीज के दौरान कमर में दर्द से परेशान थे। उनकी जगह पर बाएं हाथ के गैर अनुभवी तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए भी टीम में शामिली किया गया है। वहीं ऑलराउंडर मिचेल मार्श को दक्षिण अफ्रीका दौरे में टी20 के साथ ही एकदिवसीय टीम का भी कप्तान बनाया गया है क्योंकि एकदिवसीय के नियमित कप्तान पैट कमिंस अभी फिट नहीं हुए हैं। उन्हें भी एशेज सीरीज के दौरान ही चोट लगी थी। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता चीफ सेलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि लंबी एशेज सीरीज और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के कारण खिलाड़ियों पर काम का बोझ बढ़ गया था। ऐसे में विश्वकप को देखते हुए स्मिथ और स्टार्क को दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले फिट होने के लिए समय दिया गया है।

बांग्लादेश दौरे से पता चलेगी विलियमसन की फिटनेस

ढाका । न्यूजीलैंड टीम विश्वकप से पहले बांग्लादेश से तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। कीवी टीम एक दशक बार होने वाले इस दौरे में एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज से टीम के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। विलियमसन ने चोटिल होने के बाद घुटने की सर्जरी करायी थी। इस कारण वह टीम से बाहर थे। अब इस दौरे में विलियमसन की फिटनेस और फार्म का पता चलेगा। टीम की बल्लेबाजी काफी हद तक विलियमसन पर निर्भर करती है, ऐसे में कीवी टीम के प्रशंसक चाहेंगे कि वह लय में आ जायें। न्यूजीलैंड को विश्वकप में अपना पहला मुकाबला पांच अक्टूबर को गत विजेता इंग्लैंड से अहमदाबाद में खेलना है। कीवी टीम तब उपविजेता रही थी। वहीं बांग्लादेश की टीम विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में 7 अक्टूबर को धर्मशाला में अफगानिस्तान से खेलेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अनुसार कीवी टीम के दौरे की शुरुआत 21 सितंबर को होगी। वहीं तीनों मैच 21, 23 और 26 सितंबर को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। टेस्ट सीरीज नवंबर के अंत में विश्व कप के बाद शुरू होगी। पहला मैच 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक और दूसरा छह से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा। कीवी टीम ने इससे पहले साल 2013 में बांग्लादेश का दौरा किया था। तब 2 मैचों की टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ रही थी जबकि 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज बांग्लादेश ने 3-0 से अपने नाम की थी।

एशिया कप में भारत-पाक मैच के टिकट 25 हजार में बिके

नई दिल्ली ।

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में 2 सितंबर को होने वाले मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। एशिया कप के मुकाबले 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका में खेले जाएंगे। इसमें केवल चार लीग मैच ही पाक में होंगे और बाकि सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय टीम के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। इसमें भारत-पाक मैच को लेकर जबरदस्त आकर्षण है। इसके सबसे महंगे टिकट की कीमत 25 हजार रुपये है। इसमें भारत और पाक को एक ही समूह में रखा गया है। इस टूर्नामेंट के टिकट आप पीसीबी डॉट बुकमी डॉट पीके पर जाकर खरीदे जा सकते हैं। भारत और पाकिस्तान मैच के टिकट 3 वर्ग में उपलब्ध हैं। इसमें सबसे महंगा टिकट 300 डॉलर करीब 25 हजार रुपये का है। ये सभी टिकट बिक गये हैं। वहीं 125 डॉलर वाले करीब लगभग 10 हजार रुपये के टिकट भी बिक गये हैं। वहीं सबसे कम 30 डॉलर तकरीबन ग 2500 रुपये के टिकट अभी शेष हैं। इस प्रकार देखा जाये तो महंगे टिकट गायब हो गये हैं। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान और नेपाल एक ग्रुप में हैं जबकि दूसरे ग्रुप में बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान हैं। भारत और नेपाल का मुकाबला 4 सितंबर को होगा। इस मैच का सबसे महंगा टिकट केवल 4200 रुपये का है। इस प्रकार देखा जाये तो भारत और पाकिस्तान के मैच से इसकी कीमत 21 हजार रुपये कम है। इससे पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान के मैच का क्या महत्व है।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई से आने वाले पैसे से मिलता है पाक खिलाड़ियों को वेतन : शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने एक अहम खुलासा करते हुए कहा है कि भारत से आने वाले पैसे से ही हमारे खिलाड़ी पलते हैं। शोएब के अनुसार भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) जो पैसा अंतरराष्ट्रीय बोर्ड (आईसीसी) को देता है। वहीं पैसा आईसीसी के राज्स्व बंटवारे के तहत पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को मिलता है। उसी पैसे से पीसीबी अपने घरेलू क्रिकेटरों को मैच फीस देती है। इस क्रिकेटर ने साथ ही कहा , इस बार विश्वकप सबसे अलग और रोमांचक होगा। इसका कारण है कि अब 50 ओवर क्रिकेट का भविष्य खतरे में दिख रहा है। मैं चाहता हूं कि भारत को इस विश्व कप से खूब पैसे मिले जिससे हमें भी अधिक हिस्सेदारी मिलेगी। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि कई लोग इस बात को खुलकर नहीं कहेंगे पर मुझे इसमें कोई हिचक नहीं है। मैं जानता हूं कि भारत से जो राजस्व आईसीसी को मिलता है उसी के अनुसार ये पाक को भी मिलता है। इस प्रकार देखा जाये तो भारतीय पैसे से ही हमारे क्रिकेटर पल रहे हैं। वहीं एशिया कप में भारत-पाक मैच को लेकर उन्होंने कहा,एक बार फिर भारतीय टीम पर दबाव होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए भारतीय मीडिया जिम्मेदार है। वह मैच की हाइप पैदा कर टीम पर दबाव बना देता है। कई बार भारत की हार का कारण खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं बल्कि मीडिया का पड़ने वाला दबाव रहता है। गत वर्ष भी मीडिया ने भारतीय टीम पर जबरदस्त दबाव बनाया था। तब पूरे स्टेडियम को नीले रंग में रंग दिया गया था और कहा गया था कि भारतीय टीम आसानी से जीत जाएगी। इससे भारतीय खिलाड़ी दबाव में आ गये।

लतीफ ने इमरान की फुटेज हटाने के मामले में पीसीबी की जमकर आलोचना की

कराची । पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की जमकर आलोचना की है। लतीफ ने कहा कि जिस प्रकार से पीसीबी ने इतिहास को दिखाने में पूर्व कप्तान इमरान खान की फुटेज को हटाया और वसीम अकरम की फुटेज को कम किया वह गलत है। इसके बाद पीसीबी ने जो तर्क दिये वह और भी दुखद हैं। पीसीबी ने शुरुआत में इमरान की पूरी फुटेज गायब कर दी थी पर बाद में अकरम के विरोध करने के बाद वापस डाली। पीसीबी ने इसके बाद अपनी ओर से जो तर्क दिये वह भी समझ से परे थे। उसने कहा कि वीडियो की अवधि को लेकर कुछ परेशानियां थीं जिसके कारण कुछ अहम क्लिप वीडियो में शामिल नहीं की गई थी। हालांकि पीसीबी ने जो बाद में वीडियो डाली गई थी। उसकी और बाद वाली वीडियो की अवधि तकरीबन सामान है। इसके अलावा वीडियो की अवधि को लेकर जो पीसीबी ने तर्क दिए थे वह सही नहीं निकले। इसी को लेकर लतीफ ने कहा कि पीसीबी के जवाब को स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि वीडियो को तकरीबन 48 घंटे के बाद संशोधित किया गया है। लतीफ ने कहा कि सोशल मीडिया और मीडिया में आलोचना होने के बाद ही ये सुधार किये गये जिससे पता चलता है कि पीसीबी ने ऐसा जानबूझकर किया।

प्रतिबंध के खिलाफ अपील करेंगी दुती चंद

नई दिल्ली ।

एथलीट दुती चंद ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के लगाये चार साल के प्रतिबंध के खिलाफ अपील करने का फैसला किया है। दुती पर ये प्रतिबंध नाडा की प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल के बाद लगाया गया था। नाडा की रिपोर्ट के अनुसार इस एथलीट के पिछले साल दिसंबर में लिए गए दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट एसएआरएमएस' मौजूद थे, ये वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं। ये नमूने पांच और 26 दिसंबर को लिए गए थे और दोनों ही एक समान पदार्थ के पॉजिटिव पाए गए थे।

गौरतलब है कि 'एसएआरएमएस' (सलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलेटर) ऐसे 'नॉन स्टेराइड' पदार्थ हैं, जिन्हें आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधित बीमारी), एनीमिया (खून की कमी) और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है। दुती पर लगा प्रतिबंध इस साल 3 जनवरी से प्रभावी रहेगा और 5 दिसंबर 2022 को लिए गए पहले नमूने की इस तारीख से उनके सभी प्रतिस्पर्धी परिणामों को अलग कर दिया जाएगा।

वहीं प्रतिबंध के खिलाफ अपील करने वाले दुती के वकील पार्थ गोस्वामी ने कहा कि यह खिलाड़ी अपने पूरे पेशेवर करियर में हमेंशा ही डोपिंग से दूर रही है और यह मामला इस पदार्थ के 'अनजाने में सेवन' करने का था। गोस्वामी ने कहा, 'यह मामला स्पष्ट तौर पर अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का है। हम इस पदार्थ का स्रोत भी स्पष्ट रूप से जान गये हैं।इस पदार्थ का इस्तेमाल कभी भी खेल में फायदा उठाने के लिए नहीं किया गया था।'

उन्होंने कहा, 'हम अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं और हमें उम्मीद है कि हम अपीलीय पैनल को यह बात समझाने में सफल रहेंगे।'

दुती और उनके वकील ने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्म पैनल दुती से यह भी कहा कि यह खिलाड़ी 'हाइपरएंड्रोजनिक' से पीड़ित थी, जिसके कारण उनके 'पेट में काफी तेज दर्द' था जिसके लिए उन्होंने दवा ली थी। उसी दौरान प्रतिबंध प्रदार्थ दवा के जरिये उनके शरीर में आ गया।

मनीष की शानदार बल्लेबाजी से महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 में हुबली टाइगर्स जीती

बेंगलुरु। कप्तान मनीष पांडे के नाबाद 69 रनों की सहायता से हुबली टाइगर्स ने यहां खेले गये महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 मुकाबले में मंगलुरु ड्रैगन्स को 63 रनों से हरा दिया। हुबली की ओर से मनीष के अलावा एम. ताहा ने 52, कृष्णन और श्रीजीत ने 52 रन बनाये। इस मैच में नये गेंदबाज नाथन डीमेलो ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए हुबली टाइगर्स की ओर से तीन विकेट लिए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हुबली टाइगर्स ने तेज शुरुआत की। लवनीत सिसौदिया के शुरु में ही एक रन पर पेवेलियन लौटने के बाद सलामी बल्लेबाज एम. ताहा और कृष्णन श्रीजीत ने तेजी से खेलते हुए रन बनाये। इन दोनो ने ही अर्धशतक लगाये। कप्तान मनीष ने केवल 26 गेंदों में नौ चौकों की सहायता से अर्धशतक बना दिया। टीम ने पांच विकेट पर 215 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलुरु ड्रैगन्स ने शुरुआत में ही एक विकेट खो दिया। रोहन पाटिल 7 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद शिवकुमार 23 रन ही बना पाये। मनवंत कुमार ने केवल 18 गेंदों में 22 रन सहित 38 रन बनाए। के.वी. सिद्धार्थ ने सबसे ज्यादा नाबाद 47 रन बनाये। इस प्रकार मंगलुरु ड्रैगन्स 20 ओवरों में आठ विकेट पर 152 रन ही बना पायी। हुबली की ओर से नाथन डीमेलो ने 23 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि प्रवीण दुबे ने सिर्फ 13 रन देकर दो विकेट लिए।

इंडिया सीमेंट प्रो गोल्फ में सुनहित पहले स्थान पर रहे

चेन्नई । गोल्फर सुनहित बिश्नोई ने इंडिया सीमेंट प्रो गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दौर में बढ़त हासिल कर ली है और वह पहले स्थान पर रहे हैं। बिश्नोई ने यहां चार अंडर 68 का कार्ड खेलकर एकल में ये बढ़त हासिल की। इस मुकाबले के दूसरे दिन तेज हवा के कारण कारण पहले दिन की तुलना में कम स्कोर बना। सुनहित ने 68 का कार्ड खेलकर एकल में ये बढ़त बनायी। वहीं पहले दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर चल रहे इस गोल्फर का कुल स्कोर 10 अंडर 134 रहा है। वहीं एक अन्य गोल्फर अक्षय शर्मा 67 का कार्ड खेलकर नौ अंडर 135 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। तीसरा स्थान बांग्लादेश के जमाल हुसैन को मिला। जमाल एक शॉट पीछे रहे। उन्होंने 69 का स्कोर बनाया। वहीं हैदराबाद के मोहम्मद अज़हर ने 66 का स्कोर बनाया। वह सात अंडर 137 के स्कोर के साथ ही चंडीगढ़ के गोल्फर हरेंद्र गुप्ता के साथ संयुक्त रुप से चौथे स्थान पर रहे। हरेंद्र ने 69 का स्कोर हासिल किया।

पिछले तीन साल में 22 युवा खिलाड़ियों को अवसर मिले

ईशान, सैमसन और सूर्यकुमार को छोड़कर बाकि विफल रहे

मुम्बई ।

भारतीय टीम अक्टूबर से एकदिवसीय विश्वकप खेलेगी। इसको देखते हुए पिछले तीन साल में 22 युवा खिलाड़ियों को अवसर दिये गये हैं पर उनमें से अधिकतर विफल रहे। केवल तीन खिलाड़ी ही कुछ हद तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर पाये। साल 2020 से 22 युवा खिलाड़ियों ने एकदिवसीय में पदार्पण किया था पर इनमें से अधितकर विफल रहे। इनमें से केवल तीन खिलाड़ी ईशान किशन, संजू सैमसन और सूर्यकुमार यादव ही विश्वकप की दौड़ में बने हुए हैं। इन खिलाड़ियों में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बड़े भाई क्रुणाल पंड्या भी शामिल हैं। कुणाल ने अपने पहले ही एकदिवसीय में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया था पर वह उस प्रदर्शन को बनाये नहीं रख पाये। क्रुणाल पंड्या को पिछले 3 साल में 5 एकदिवसीय में अवसर मिला। इसमें उन्होंने एक अर्धशतक के सहारे 130 रन बनाए और बतौर बाएं हाथ के स्पिनर केवल 2 ही विकेट ले पाये। वहीं मयंक अग्रवाल ने 5 मैच में 86, दीपक हुडा ने 10 मैच में 153, पृथ्वी शॉ ने 6 मैच में 189, ऋतुराज गायकवाड़ ने 2 मैच में 27, नितीश राणा ने एक मैच में 7 और वेंकटेश अय्यर ने 2 मैच में 24 रन बनाए। इस प्रकार ये सभी बल्लेबाज विफल रहे।

वहीं गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा को 14 एकदिवसीय खेलने का अवसर मिला। इसमें उन्होंने 25 विकेट लिए पर वह चोट के चलते लंबे समय के लिए बाहर हो गए थे। उनका भी विश्वकप में खेलना असंभव है। इसके अलावा शार्दुल ठाकुर भी दौड़ में बने हुए हैं। लेग स्पिनर राहुल चाहर ने एक मैच में 3 विकेट, तेज गेंदबाज आवेश खान ने 5 मैच में 3, लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने एक मैच में एक, कृष्णप्पा गौतम ने एक मैच में एक, कुलदीप सेन ने एक मैच में 2, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतक सकारिया ने एक मैच में जबकि अर्शदीप सिंह को 3 मैच में एक भी विकेट नहीं मिला। वही अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो युवा मुकेश कुमार ने हाल में हुए वेस्टइंडीज दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया पर अभी उन्हें अनुभव की कमी के कारण विश्कप के लिए शामिल नहीं किया जा सकता।

विराट ने माना भारत-पाक मैच में होता है दबाव

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आजकल एशिया कप की तैयारियों में लगे हैं। इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। दोनो ही टीमें राजनीतिक तनाव के कारण द्विपक्षीय मुकाबले नहीं खेलतीं। इस कारण केवल आईसीसी मुकाबलों में ही आमने-सामने आती हैं। उसी को देखते हुए विराट ने कहा कि ने कहा है कि इस मुकाबले में जो रोमांच और दबाव का माहौल रहता है वह किसी और मुकाबले में नहीं मिल सकता है। एशिया कप में भारत-पाक के बीच तीन बार टक्कर हो सकती है। इसमें पहला मुकाबला 2 सितंबर को होगा। इन मुकाबलों में विराट का बल्ला जमकर चला है। इस बल्लेबाज ने पाक के खिलाफ कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। गत वर्ष हुए टी विश्व कप में इस खिलाड़ी ने पाक के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की थी। विराट ने एक कार्यक्रम के दौरान अपनी उसी को लेकर कहा कि किस प्रकार माहौल अलग हो जाता है। विराट ने कहा कि मैं इस तथ्य से दूर नहीं सकता कि बाहर का माहौल अन्य खेलों से बहुत अलग है। इसे आप नजरअंदाज नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में जब आप मैदान पर कदम रखते हैं तो यह बहुत अलग होता है। इसमें बाहर का तनावपूर्ण वातावरण आपको प्रभावित करता है। यह आपके लिए आनंद लेने और उत्साहित होने के लिए है। फिर यह सामान्य बात है। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के अनुसार हाल के दिना में दोनो ही टीमों की प्रतिद्वंद्विता का स्तर कम हुआ है। गांगुली ने कहा कि मैदान के बाहर का माहौल पहले की तरह ही है पर दोनो टीमें के मुकाबले में पहले जैसी गुणवत्ता नहीं रही है। ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोटे अनाजों में प्रमुख

बाजरा

भूमि का चुनाव

बाजरे की असिंचित फसल उन मिट्टियों में अच्छी उपज देती है, जिनकी जलधारण क्षमता अपेक्षाकृत अधिक होती है। रेतीली मटियार दोमट और मटियार दोमट भूमि में बाजरा की भरपूर पैदावार होती है।

भूमि की तैयारी

बाजरा वर्षा आधारित फसल है। ऐसी फसल के लिए गर्मियों की जुताई अच्छी पाई गई है। इससे खरपतवारों पर नियंत्रण करने में मदद मिलती है। वर्षा के शुरू होने पर हल या बखर चलाकर खेत को भुरभुरा बनायें तथा खरपतवार रहित करें।

उन्नत किस्में

अ. संकर किस्में - आईसीएमएच-356, जवाहर बाजरा हायब्रिड-1, जवाहर बाजरा हायब्रिड-2, हरित बटल रोग निरोधक

ब. परागित किस्में - जवाहर बाजरा किस्म-2, जवाहर बाजरा किस्म-3, जवाहर बाजरा किस्म-4, राज-171

बुआई

बाजरा की बुआई के लिए जुलाई का पहला पखवाड़ा ही उत्तम है। इस समय पर लगाए गए बाजरा पर रोगों का प्रकोप कम होता है तथा फूल आते समय सामान्य वर्षा होने पर प्रायः भूमि

में नमी का अभाव नहीं होता है।

बीज की मात्रा और पौधों का घनत्व

बाजरा की संकर किस्मों की कतारों के बीच 45 सेमी की दूरी रखना जरूरी है, जिसमें पौधों से पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेमी होना चाहिए। बीज 1 से 2.5 सेमी की गहराई पर बोना चाहिए। इस प्रकार प्रति हेक्टेयर 1.8 लाख से 2 लाख तक उचित पौध संख्या के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त रहती है। बुआई के पूर्व बीजोपचार जरुरी है बीज का उपचार एप्रान-35 एसडी की 6 ग्राम मात्रा को प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें, जिससे डाउनी मिल्डयू रोग के प्रारंभिक प्रकोप से बचा जा सके।

उर्वरक की मात्रा एवं देने का तरीका

बुआई के पूर्व 87 किलोग्राम यूरिया, 300 किलोग्राम और 33 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

पौधों की छटाई

बाजरा के पौधें के पूर्ण विकास के लिए उपयुक्त स्थान मिलना आवश्यक है। अतः घने पौधों की छंटाई करके पौधों की आपसी दूरी उपयुक्त कर देनी चाहिए।

जल प्रबंध

बाजरा का केवल 3.3 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। अतः जल का समुचित प्रबंध करना सफल खेती और उत्पादन स्थिरता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। वर्षा का केवल 5-15 प्रतिशत जल पौधों की बढ़वार के लिए उपलब्ध हो पाता है। इस प्रकार बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में जल का वैज्ञानिक प्रबंधन ही उनकी सफल खेती में सहायक हो सकता है। भूमि तल को समतल बना देने पर भूमि पर गिरने वाली वर्षा का समान वितरण होता है। तथा पानी भूमि में लम्बे समय तक भरे रहने के कारण इसका उत्तम संरक्षण करना संभव होता है। मेड़ बांधने की क्रिया जल संरक्षण में काफी सहायक पायी गयी है। वर्षा जल खेत में लम्बे समय तक खड़े रहने के कारण बहाव के माध्यम से बह जाने वाले जल की अधिक से अधिक मात्रा भूमि द्वारा ग्रहण कर ली जाती है तथा यह मात्रा भूगत होने के कारण सुरक्षित रहती है। यह विश्वास किया जाता है कि भूमि की ऊपरी सतह को संहत करने पर बाजरा के पौधे की जड़े अधिक गहराई तक जाती है जिसके कारण उपलब्ध भूमि जल का अच्छा उपयोग होता है तथा जड़ों का जल ग्रहण क्षेत्र भी बढ़ जाता है। इस क्रिया को शायद इसी कारण से मूल प्रशिक्षण (रुट ट्रेनिंग) भी कहा जाता है। क्योंकि जड़ों के नीचे की और बढ़ने का प्रशिक्षण दिया जाता है, यानि कि ऐसी स्थिति बनायी जाती है कि इसकी बढ़वार नीचे की ओर अधिक हो।

जल निकास

बाजरे की फसल यदि काफी देर तक पानी खड़ा रहे, तो इससे फसल को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए बुवाई से पूर्व खेत को समतल कर लेना चाहिए

अमरबेल का नियंत्रण

प्रसारण

- परजीवी के बीज एवं तने के भाग सिंचाई करने से जल द्वारा एक खेत से दूसरे खेत में चले जाते हैं।
- खाद द्वारा भी बीज खेत में आ जाते हैं।
- तने के टुकड़ों का स्थानांतरण मनुष्यों एवं जंतुओं द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर कर दिया जाता है।
- इसके बीज बरसीम, रिजका के बीजों के साथ जुड़े रह सकते हैं।

हानि

अमरबेल के संक्रमण से मात्रात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार से हानि होती है-

- नींबू में 30-35 प्रतिशत
- मूंग में 70-90 प्रतिशत
- उड़द में 30-40 प्रतिशत
- रिजका, बरसीम में 60-70 प्रतिशत तक उपज में हानि होती है।

नियंत्रण

इस परजीवी पादप के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंध करना अति आवश्यक है-

नियंत्रण के उपाय

- नमक के 10 प्रतिशत (1 लीटर पानी में 100 ग्राम) घोल में बीजोपचार करके फसल के बीजों की बुवाई करें।
- अमरबेल के बीज रहित फसल के बीज ही बुवाई के काम लें।
- कृषि यंत्रों व पशुओं को अमरबेल से संक्रमित खेतों से स्वच्छ खेतों में न आने दें।
- अमरबेल से ग्रसित फार्म से कम्पोस्ट खाद तैयार न करें।

शस्य नियंत्रण

संक्रमित पौधों को परजीवी में बीज बनने से पहले उखाड़ कर जला दें।

- कम से कम पांच वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- पाश फसलें जैसे ग्वार आदि उगाना चाहिए इसकी बढ़वार कम होगी।
- फसलों की सहनशील किस्में जैसे रिजके की एलएलसी 6 व एलएलसी 7, मूंग की एम-4 व उदड़ की टी-9 किस्में बोनी चाहिए।

जैविक नियंत्रण

मैलेनाग्रोमाइजा करुक्यूटा व कालेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडीस के द्वारा भी इसका नियंत्रण कर सकते हैं।

- ल्यूबाओ-2 जो कि कोलेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडिस करुक्यूटी रोगजनक का उत्पाद है, से भी जैविक नियंत्रण कर सकते हैं।

रासायनिक नियंत्रण

- क्लोरोफॉम 6-7 किग्रा (सक्रिय तत्व) या डाइक्लोनेनील 2 किग्रा (सक्रिय तत्व) प्रति हेक्टेयर मिट्टी में प्रयुक्त करें।
- खड़ी फसल (रिजका व बरसीम) में कटाई के 5-10 दिन बाद डाइकव्ट 6-10 किग्रा प्रति हेक्टेयर आवश्यकतानुसार पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पेड़ों तथा बहुवर्षीय बेलों पर पेराक्वाट के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें। तथा उपचारित परपोषी पौधों की जल्दी सिंचाई करें।
- यदि अमरबेल पर छिड़काव के बाद कोई अवशेष बच जाये तो पुनः बताये शाकनाशियों का छिड़काव करें।

इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया। इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

धान की मेडागास्कर खेती

भारत में हरित क्रांति आने के बाद से लेकर अब तक विभिन्न आदानों की इकाई लागत में काफी वृद्धि हुई है इस वृद्धि के फलस्वरुप शुद्ध लाभ भी कम प्राप्त हो रहा है, इस हेतु यह आवश्यक हो गया है कि इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जाये। इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेंशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

मेडागास्कर विधि की कृषि कार्यमाला

खेत का चुनाव-मेडागास्कर विधि से धान की खेती करने हेतु उचित जल निकास वाली भूमि का चुनाव करना चाहिए तथा सिंचाई की भी व्यवस्था खेत पर होना चाहिए। बीज की मात्रा-इस विधि से धान की रोपाई करने के लिए 10-12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता प्रति हेक्टेयर पड़ती है।

धान की उन्नत किस्में

कम अवधि में पकने वाली किस्में-तृप्ति, पूर्वा, जेआर 75

मध्यम समय में पकने वाली किस्में-जेआर 201,दीप्ति, जेआर 353

सामान्य अवधि में पकने वाली किस्में-आई.आर. 36, आई.आर. 64, माधुरी,पूसा सुगंधा

देर से पकने वाली किस्में :-स्वर्णा, श्यामला, महासुरी

संकर किस्में-एपीएचआर-1, एपीएचआर-2, एमजीआर-1, सीएनआर एच-1, पंत संकर धान

नर्सरी हेतु खेत की तैयारी एवं बीज की बुवाई

खेत की अच्छी तरह आड़ी-तिरछी जुताई कर मिट्टी को भुरभुरी कर लेना चाहिए तत्पश्चात एक मीटर चौड़ी 10 मीटर लम्बी 15 सेमी ऊंचाई की क्यारी बना लें, क्यारी के दोनों ओर सिंचाई नाली बनाये क्यारी तैयार कर 50-60 किलोग्राम नाडेप कम्पोस्ट मिलाकर समतल कर दें तैयार क्यारी में उपचारित बीज को बिखेर दें तथा ऊपर से कम्पोस्ट खाद की पतली परत बिछाकर बीजों को ढ़क दे बीज का उपचार कर ही क्यारी डालना चाहिए। बीज उपचार हेतु स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 3 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर से उपयोग करना आवश्यक होता है। प्रति क्यारी 120 ग्राम बीज की मात्रा या 12 ग्राम प्रति वर्ग मीटर बीज की रोपणी डालने की आवश्यकता होती है। रोपणी की बोनी उपरांत प्रथम सिंचाई हजारे से की जाना चाहिए, शेष सिंचाई रोपणी के दोनों तरफ उपलब्ध सिंचाई नाली से करना चाहिए।

रोपाई हेतु खेत की तैयारी

रोपाई किये जाने वाले खेत की अच्छी तरह जुताई कर भुरभुरा कर लें तथा खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल कर लेना चाहिए। तथा खेत में 8-10 टन नाडेप कम्पोस्ट/गोबर की पकी हुई खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देना चाहिए। इस प्रकार रोपणी के लिए खेत तैयार हो जायेगा। सामान्यतः 10-15 दिन की पौध इस पद्धति में रोपाई हेतु उपयुक्त होती है। इन पौधों को जड़ सहित सावधानीपूर्वक उखाड़ कर 20 से 30 मिनट के अंदर खेत में रोप देना चाहिए। रोपाई एक से दो सेमी गहराई पर करें तथा पौध को खेत में सीधा रोपना चाहिए। रोपाई के समय खेत में पानी भरा नहीं होना चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधे की रोपाई करें तथा पौध से पौध की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 23 सेमी रखना चाहिए, जिससे कंसे अधिक संख्या में निकलते हैं।

खाद उर्वरक की मात्रा

खेत की मिट्टी का परीक्षण कराकर तत्वों की उपलब्धता जानने के बाद ही खाद की मात्रा निश्चित की जानी चाहिए, इस विधि में कार्बनिक खादों एवं रासायनिक खादों का उपयोग करना अनिवार्य है चयनित खेत में हरी खाद के लिए सनई/ढैंचा की बोनी कर 20-25 दिन बाद मचाई कर मिट्टी में मिला दें तथा 3-4 दिन के लिए छोड़ दें तत्पश्चात रोपाई करें। रासायनिक खाद में 80 किलोग्राम 50 किलोग्राम फास्फोरस तथा 30 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता प्रति हेक्टर होती है। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा का उपयोग आधार खाद के रुप में किया जाना चाहिए व नत्रजन का उपयोग तीन किश्तों में 20 प्रतिशत के एक सप्ताह बाद 50 प्रतिशत कंसे फूटने के समय एवं शेष 30 प्रतिशत गभोट के प्रारंभ काल में किया जाना चाहिए। वानस्पतिक वृद्धि अधिक होने पर नत्रजन की मात्रा कम की जा सकती है।

रुसी अदालत ने गूगल पर क्यों लगा दिया 32,000 डॉलर का जुर्माना

मॉस्को । रूसी अदालत ने यूक्रेन में संघर्ष के बारे में कथित रूप से गलत जानकारी हटाने में विफल रहने के लिए गूगल पर 30 लाख रूबल (32,000 डॉलर) का जुर्माना लगाया। खबरों के अनुसार अदालत ने पाया कि गूगल के स्वामित्व वाली यूट्यूब वीडियो सेवा ने संघर्ष के बारे में 'गलत जानकारी' वाले वीडियो को नहीं हटाया है। गूगल को उन वीडियो को नहीं हटाने का भी दोषी पाया गया, जो नाबालिगों के लिए उपयुक्त नहीं हैं। रूसी अदालत ने यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाइयों के बारे में ''झूठी जानकारी'' समझी जाने वाली सामग्री को हटाने में विफल रहने के लिए एप्पल और विकिपीडिया पर भी अगस्त की शुरुआत में जुर्माना लगाया था। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन में सेना भेजने के बाद से, सैन्य अभियान की किसी भी आलोचना या सवाल उठाने वालों को दंडित करने के लिए कई उपाय किए हैं।

नाइजीरिया में घात लगाकर हमला...36 सैनिक मार गए

अबुंजा । नाइजीरिया के उत्तर मध्य क्षेत्र में सशस्त्र गिरोहों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले और मौके पर भेजे गए एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक अधिकारी और कम से कम 36 सैनिक मार गए हैं। नाइजीरिया के नागरिकों ने बताया कि नाइजर राज्य के बुशीशी जिले में सप्ताह की शुरुआत में हुए संघर्ष के बाद सशस्त्र गिरोहों ने हेलीकॉप्टर को मार गिराया। इसके बाद जानकारों ने देश के सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी क्षेत्र में बंदूकधारियों का अधिपत्य बढ़ने की चेतावनी दी है। नाइजर राज्य में सैनिक सोमवार को एक अभियान चला रहे थे तभी सशस्त्र गिरोहों ने धाबा बोल दिया। उन्होंने कहा कि घात लगाकर हुए हमले और गोलीबारी में तीन अधिकारियों, 22 जवानों की मौत हो गई। वहीं सात सैनिक घायल हो गये।

सिख व्यक्ति ने किया दो लोगों पर चाकू से हमला

लंदन । ब्रिटेन के वेस्ट लंदन में सिख समुदाय के एक कार्यक्रय में एक सिख व्यक्ति को दो लोगों पर चाकू से हमला करने के मामले में अभ्यारोपित किया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार गुरप्रीत सिंह (25) को एक्सब्रिज मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया और उस पर गंभीर आरोप लगाए गए। पुलिस ने बताया कि सिंह पर शरीर को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने का प्रयास करने (जीबीएच) के आरोप सहित कुल सात आरोप लगाए गए हैं। आरोपी को हिरासत में भेजकर 14 सितंबर को इस्लेवर्थ क्राउन कोर्ट में पेश किए जाने के आदेश दिए गए हैं। घटना भारत के स्वतंत्रता दिवस से जुड़े समुदाय के एक कार्यक्रम में साउथहॉल में हुई। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया के जरिए सार्वजनिक हुआ है जिसमें कुछ खालिस्तानी समर्थकों के साथ झगड़ा होते दिख रहा है और पुलिस अधिकारी संदिग्धों का पीछा करते नजर आ रहे हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधीक्षक सीन लिंच ने कहा, मैं इस घटना से साउथहॉल और लंदन में सिख समुदाय के बीच उपजी चिंताओं को भली भांति समझता हूं। इस घटना को छोड़ दें तब शेष कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।'' उन्होंने कहा, हमारी जांच जारी है। हम सोशल मीडिया में जारी हो रहे फुटेज से वाकिफ हैं। लोग उस पर अपने तरीके से टिप्पणियां कर रहे हैं। हम लोगों से कयास लगाने से बचने की अपील करते हैं। घटनास्थल से एक अन्य युवक को भी गिरफ्तार किया गया था लेकिन उसे आगे की पूछताछ होने तक जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

ट्रंप को जहर मिला पत्र भेजने वाली कनाडाई महिला को 22 साल की जेल

वाशिंगटन । अमेरिकी अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान उन्हें जहर मिला हुआ पत्र भेजने के मामले में कनाडाई महिला को 22 साल जेल की सजा सुनाई है। रिपोर्ट के अनुसार, जिला न्यायाधीश डाबनी फ्रेडरिक ने 56 वर्षीय पास्केल फेरियर को 22 साल के जेल की सजा सुनाई। सजा पूरी करने के बाद फेरियर को अमेरिका से निर्वासित कर दिया जाएगा और अगर वह कभी वापस लौटी, तब उन्हें जीवन भर निगरानी का सामना करना पड़ेगा। न्यायाधीश फ्रेडरिक ने फेरियर से कहा कि उसकी हरकतें घातक और समाज के लिए हानिकारक थीं। फ्रांस और कनाडा की दोहरी नागरिक फेरियर ने अदालत से कहा कि मुझे खेद है कि योजना विफल हो गई। महिला ने कहा कि वह खुद को एक कार्यकर्ता के रूप में देखती हैं, आतंकवादी के रूप में नहीं। एफबीआई को ट्रंप को लिखे पत्र पर उनकी उंगलियों के निशान मिले। पत्र में ट्रंप से राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का आग्रह किया गया था। फेरियर ने टेक्सास के आठ कानून प्रवर्तन अधिकारियों से इसी तरह के पत्र भेजने की बात स्वीकार की। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, 2019 में, उन्हें गैरकानूनी रूप से हथियार ले जाने और बिना वैध लाइसेंस के गाड़ी चलाने के लिए राज्य में लगभग 10 सप्ताह तक हिरासत में रखा गया था और उन्होंने उस हिरासत के लिए उन अधिकारियों को दोषी ठहराया था। फेरियर को सितंबर 2020 में बफेलो, न्यूयॉर्क में सीमा पार करते हुए गिरफ्तार किया गया था। वह एक बंदूक, चाकू और गोला-बारूद ले जा रही थी।

बेटियों से बलात्कार करने वाले पिता को 702 साल की सजा

कुआलालंपुर। मलेशिया की एक कोर्ट ने एक व्यक्ति को 702 साल जेल की सजा और 234 बेंत मारने की सजा सुनाई है। 53 साल के इस व्यक्ति ने अपनी ही बेटियों से 2018 से 2023 के बीच में 30 बार बलात्कार का अपराध किया। यह बच्चियां अब 12 से 15 साल की उम्र की हैं। जब उनकी उम्र बहुत कम थी, तब यह बलात्कार किया गया था। यह जघन्य अपराध जोहोर राज्य के मुआर का है। अपनी ही बेटियों के साथ बलात्कार करने की अपराध को कोर्ट ने बहुत निंदा जनक माना। न्यायालय ने 702 साल की सजा देकर एक ऐसा संदेश दिया है, जिससे इस तरह की अपराधों पर रोक लगाई जा सके। कोई भी व्यक्ति इस तरह का दुसाह-न कर सके।

ट्विटर के पूर्व सह-संस्थापक और सीईओ जैक डोर्सी ने इंस्टाग्राम छोड़ा

वाशिंगटन । ट्विटर के पूर्व सह-संस्थापक और सीईओ जैक डोर्सी ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है, क्योंकि मेटा के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग और एक्स (पूर्व में ट्विटर) के मालिक एलन मस्क एक भयंकर सोशल मीडिया लड़ाई में लगे हुए हैं। डोर्सी ने घोषणा की कि उन्होंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है। डोर्सी ने नॉस्ट्र नामक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, मैंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया है। पता नहीं मुझे इतना समय क्यों लग गया। मुझे लगता है कि मैं प्लेटफॉर्म पर पहले 10 खातों में था, और पहले एंजल निवेशकों में से एक था। डोर्सी ने कहा कि केविन (सिस्ट्रोम) ओडेओ में हमारा प्रशिक्षु था। जब वे एफबी को बेचे गए, तो मैंने इसका उपयोग करना बंद कर दिया। सिस्ट्रॉम ने माइक क्राइगर के साथ मिलकर इंस्टाग्राम की सह-स्थापना की। उन्होंने 24 सितंबर, 2018 को इंस्टाग्राम के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया। मेटा (तब फेसबुक) ने 2012 में इंस्टाग्राम को 1 बिलियन डॉलर में खरीदा था। ओडेओ 2005 में नोआ ग्लास और इवान विलियम्स द्वारा स्थापित संगठन था, जिसे बाद में ओब्वियस कॉर्पोरेशन के रूप में सुधार किया गया और ट्विटर का जन्मस्थान बन गया। डोर्सी ने इंस्टाग्राम छोड़ दिया है क्योंकि मस्क और जुकरबर्ग दोनों अपनी पिंजरे की लड़ाई को लेकर सोशल मीडिया पर झगड़े में लगे हुए हैं।

कोलंबिया में 6.1 तीव्रता का भूकंप, एक की मौत

बोगोटा । कोलंबिया में रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राजधानी बोगोटा में भी गुरुवार शाम को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। गंभीर नुकसान होने से शहर बच गया है, लेकिन शहर के दक्षिण में अपने अपार्टमेंट की 10वीं मंजिल से कूदने के बाद एक महिला की मौत हो गई। एक रिपोर्ट के अनुसार महिला को डर था कि इमारत ढह जाएगी। एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा ?कि स्यूदाद बोलिवर के मैडेलेना में एक महिला ने शायद घबराहट के कारण 10वीं मंजिल से छलांग लगा दी और उसकी मौत हो गई। यह हमारे साथ हुई एकमात्र गंभीर घटना है। कृपया, शांत रहें, शांत रहें।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और प्रधानमंत्री किम टोक हुन तूफान प्रभावित इलाकों के खेतों का दौरा करते हुए।

तूफान हिलेरी तेज, अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम में बाढ़ का खतरा

वाशिंगटन । राष्ट्रीय तूफान केंद्र (एनएचसी) के अनुसार तूफान हिलेरी मेक्सिको के दक्षिण-पश्चिम में प्रशांत महासागर में तीव्र हो रहा है और इस सप्ताहांत से अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों में संभावित रूप से भारी बारिश और बाढ़ लाने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एनएचसी ने कहा कि गुरुवार रात तक, हिलेरी 120 मील प्रति घंटे की हवाओं और उससे भी तेज झोंकों के साथ श्रेणी तीन तूफान में बदल गई थी। केंद्र ने चेतावनी दी है कि शुक्रवार को कम से कम 130 मील प्रति घंटे की हवाओं के साथ तूफान श्रेणी चार में पहुंच जाएगा। गुरुवार शाम तक तूफान मेक्सिको के काबो सान लुकास से लगभग 445 मील दक्षिण में था। हिलेरी की बारिश दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों में शनिवार की शुरुआत में आ सकती है, और इसका सबसे बुरा प्रभाव 21 अगस्त को कैलिफ़ोर्निया में होगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दक्षिणी कैलिफोर्निया और दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों तक पहुंचने से पहले हिलेरी के काफी कमजोर होने की उम्मीद है, लेकिन भारी बारिश और बाढ़ की आशंका है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में भारी वर्षा हो सकती है। शनिवार से 21 अगस्त तक वहां और दक्षिणी नेवादा में 2 से 4 इंच की वर्षा हो सकती है। मुख्य रूप से 20-21 अगस्त को सबसे भारी वर्षा की उम्मीद है। एरिज़ोना, सेंट्रल कैलिफ़ोर्निया और उत्तरी नेवादा के कुछ हिस्सों में भी बारिश होने की संभावना है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, यदि तूफान उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में कैलिफोर्निया में दस्तक देता है, तो यह लगभग 84 वर्षों में पहला होगा, और रिकॉर्ड पर ऐसा करने वाला केवल तीसरा उष्णकटिबंधीय तूफान होगा। एनओएए रिकॉर्ड से पता चलता है कि सबसे हालिया 1939 में एक अनाम उष्णकटिबंधीय तूफान आया था।

अमेरिकी अदालत से याचिका खारिज ... तहव्वुर राणा के भारत आने की उम्मीदें बढ़ी

-मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता

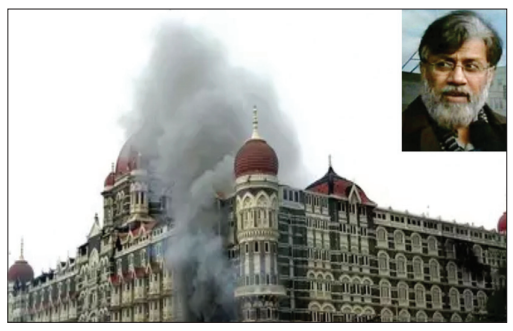

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी अदालत ने 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के आरोपी और पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रमाणपत्र जारी करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

'सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया' में 'यूनाइटेड स्टेट डिस्ट्रिक्ट' के न्यायाधीश डेल एस फिशर ने 10 अगस्त के अपने आदेश में लिखा, ''अदालत ने एक अलग आदेश जारी कर आंतकी तहव्वुर राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी है। बहरहाल, राणा ने आदेश के खिलाफ 'नाइंथ सर्किट कोर्ट' में याचिका दाखिल की है और उस पर सुनवाई होने तक उसके भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। राणा ने जून में अमेरिकी अदालत के उस आदेश को चुनौती देकर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी, जिसमें राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध को स्वीकार किया गया था।

न्यायाधीश फिशर ने अपने आदेश में कहा कि राणा ने अपनी याचिका में दो मूल दलीलें पेश की हैं। उन्होंने कहा कि पहली दलील यह है कि संधि के तहत राणा को प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता, क्योंकि भारत उसके खिलाफ उन कृत्यों के लिए अभियोग चलाना चाहता है, जिस लेकर अमेरिकी अदालत ने उसके खिलाफ आरोप लगाए थे और बरी कर दिया था। तथा दूसरा तर्क यह है कि सरकार ने यह बात साबित नहीं की है कि यह मानने का संभावित कारण है कि राणा ने भारत में वे अपराध किए जिन्हें लेकर उसके खिलाफ अभियोग चलाया जाना है। न्यायाधीश ने दोनों ही दलीलें खारिज कर दीं।

न्यायाधीश के आदेश के बाद राणा के वकीलों पैट्रिक ब्लेगन और जॉन डी क्लिने ने 'यूनाइटेड स्टेट कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द नाइंथ सर्किट' में इसके खिलाफ याचिका दायर की। अमेरिका सरकार ने राणा द्वारा दायर की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार करने का जून में आग्रह किया था। भारत में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 26 नवंबर 2008 को मुंबई में किए गए हमलों में राणा की भूमिका की जांच कर रहा है।

अफगानिस्तान में लोगों का पेट भर रहा भारत

-वर्ल्ड फूड प्रोगाम ने कहा धन्यवाद

वाशिंगटन (एजेंसी)। अगर भारत न होता तब अफगानी कंधों पर लोगों का पेट पालने वाला ये अनाज न होता। भारत ने अपना बड़ा दिल नहीं दिखाया होता तब अफगानिस्तान में लोगों को 2 जून तब क्या 1 जून की भी रोटी नसीब नहीं होती। भारत ऐसा तब से लगातार कर रहा है जब से अफगानिस्तान पर खाने का संकट आया। अब फिर भारत के सहयोग से अफगानिस्तान में गेहूं की एक खेप पहुंची। अफगानिस्तान स्थित वर्ल्ड फूड प्रोगाम ने ट्वीट कर भारत को धन्यवाद देकर एक वीडियो जारी करते हुए वर्ल्ड फूड प्रोगाम ने लिखा की इस साल पहली छमाही में अफगानिस्तान में 16 मिलियन लोगों को वर्ल्ड फूड प्रोगाम से जीवन रक्षक भोजन प्राप्त हुआ। हम भारत जैसे उदार दानदाताओं के आभारी हैं जिन्होंने ऐसा संभव बनाया। अफगानिस्तान में तालिबान राज और देश पूरी तरह से अवस्थित हो गया था। देश की आर्थिकी उस बर्बाद हुई कि लोग एक एक दाने के लिए तरस रहे थे। जब दुनिया ने अफगानिस्तान से दूरी बनाई तब भारत ने अफगानिस्तान की भूखी जनता के लिए गेंहू भेजना शुरू कर दिया। भारत अफगान लोगों के लिए चिकित्सा और खाद्य सहायता सहित बाकी मानवीय सहायता की पूर्ति कर रहा है। वहीं अगर तालिबान की बात करें तब उसने कई बार मदद के लिए खुलकर शुक्रिया अदा किया है। इससे पिछली बार मदद की बात करें तब तालिबानी प्रवक्ता सोहैल शाइन ने कहा था कि हम चाबहार पोर्ट के माध्यम से अफगान लोगों के लिए 20 हजार मीट्रिक टन गेहूं की डिलीवरी की बहुत सराहना करते हैं... इस तरह के मानवीय कदम से दोनों देशों में विश्वास बढ़ता है।

खूंखार अलगाववादी यासीन की शायदी पर फिदा हो गई थी पत्नी मुशाल मलिक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कश्मीर में खून बहाने वाले अलगाववादी यासीन मलिक की पत्नी मुशाल मलिक को पाकिस्तान सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा मिला है। मुशाल को देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने अनवार-उल-हक काकड़ का सलाहकार बनाया गया है। मानवाधिकार और महिला मामलों पर वह पीएम की सलाहकार के तौर पर काम करेंगी और उनका दर्जा मंत्री का होगा। खूंखार अलगाववादी यासीन मलिक की पत्नी को पाकिस्तान की सरकार में यह रुतबा मिलना चिंता बढ़ाने वाला है।

दरअसल लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से ग्रैजुएशन करने वाली मुशाल की 2005 में यासीन मलिक से मुलाकात हुई थी, जब वह पाकिस्तान के दौरे पर गया था। इस दौरान कार्यक्रम में यासीन मलिक ने भाषण देकर फैज अहमद फैज की शायरी भी पढ़ी थी। कहा जाता है कि उसके इस भाषण पर ही मुशाल ऐसी फिदा हुई थी कि यासीन को दिल दे बैठी। कार्यक्रम के बाद मुशाल ने यासीन मलिक का ऑटोग्राफ लिया और फिर दोनों की बातें होने लगीं। अंत में दोनों परिवारों की सहमति से फरवरी, 2009 में मुशाल और यासीन मलिक की रावलपिंडी में शादी हो गई। उसी साल सितंबर में मुशाल भारत भी आई थी। शादी के दौरान मुशाल 24 साल की थी, जबकि यासीन मलिक 44 का था।

मुशाल पाकिस्तान के बेहद प्रभावशाली परिवार से आती है। उसकी मां रेहाना हुसैन मलिक पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के महिला मोर्चे की महासचिव रही हैं। उसके पिता एम.ए हुसैन मलिक अंतरराष्ट्रीय ख्याति रखने वाले अर्थशास्त्री रहे हैं। उन्होंने नोबेल पुरस्कार की ज्यूरी में भी रखा गया था। फिलहाल वह अपनी बेटी रजिया सुल्ताना के साथ ही इस्लामाबाद में रहती है। रजिया सुल्ताना की उम्र 12 साल है। वॉशिंगटन के एक कॉलेज में मुशाल के भाई हैदर अली हुसैन लेक्चरर हैं। उसकी बहन सबीन हुसैन मलिक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। बता दें कि यासीन मलिक इन दिनों जेल में बंद है। यासीन को 2019 में टेरर फंडिंग केस में अरेस्ट किया गया था।

163 करोड़ रुपये से भी ज्यादा कीमत रखता है दुनिया का सबसे महंगा सिक्का

लंदन(एजेंसी)। 163 करोड़ रुपये से भी ज्यादा कीमत रखने वाला दुनिया का सबसे महंगा सिक?का आज भी मौजूद है। हालांकि इस समय उस जमाने के केवल 12 सिक्के ही दुनिया में मौजूद हैं। इस सिक्के का नाम सेंट गॉडंस डबल ईगल है जिसे ऑगस्टस सेंट गॉडंस ने डिजाइन किया था। यह सिक्का 1907 से 1933 के बीच ढाला गया और सिर्फ 4,45,500 सिक?कों का ही निर्माण किया गया था। इसमें से सिर्फ 12 सिक?के ही दुनिया में बचे हैं। अमेरिका में हुई एक नीलामी में इस एक सिक्के की कीमत 163 करोड़ रुपये से भी ज्यादा लगाई गई है। इस कड़ी में दूसरा नंबर आता है अमेरिका में ही ढाले गए फ्लोइंग हेयर सिल्वर डॉलर का। इस सिक?के को 1794 में ढाला गया और सिर्फ 1,758 सिक्के ही बनाए गए थे। फिलहाल दुनिया में इसके सिर्फ 6 सिक्के ही बचे हैं। एक नीलामी में इनमें से हर सिक्के की कीमत 107.57 करोड़ रुपये लगाई गई थी। ब्रेशर डबलून कॉइन भी दुनिया के सबसे महंगे सिक्कों में आता है। इसे 1787 में इफ्रेम ब्रेशर ने ढाला था, जो न्यूयॉर्क के एक सोनार थे। दुनिया में ऐसे सिर्फ 7 सिक्के थे। यह अमेरिका में ढाला गया पहला सोने का सिक्का था। इस एक सिक्के की कीमत करीब 80.89 करोड़ रुपये आंकी गई है। महंगे सिक्कों की कड़ी में एडवर्ड 3 फ्लोरिन का चौथा नंबर आता है। इसे इंग्लैंड के राजा एडवर्ड 3 ने बनवाया था। अपनी खास डिजाइन की वजह से यह सिक्का काफी दुर्लभ है और कीमती भी माना जाता है। एक नीलामी के दौरान इस सिक्के की कीमत 55।08 करोड़ रुपये आंकी गई है। सऊदी अरब में ढाले गए उमय्यद गोल्ड दिनार को दुनिया का 5वां सबसे महंगा सिक्का माना जाता है। उमय्यद साम्राज्य के काल में इस सिक्के को ढाला गया था। यह देखने में काफी खूबसूरत और खास डिजाइन वाला है। इसके एक सिक्के की कीमत 43.78 करोड़ रुपये है। कनाडा में 1979 में पहली बार ढाले गए कैनेडियन गोल्ड मैपल लीफ को दुनिया का 6वां सबसे महंगा सिक्का माना जाता है। यह सिक्का 99 फीसदी शुद्ध सोने से ढाला गया था। सालभर में सिर्फ एक ही सिक्का ढाला जाता था और इसका वजन 1 ट्रॉय आउंस था। जिसकी कीमत 42.95 करोड़ रुपये बताई गई थी।

मुस्लिम देशों के विरोध को दरकिनार कर स्वीडन में संसद के सामने जलाई कुरान

स्टॉकहोम । मुस्लिम देशों के भारी विरोध के बावजूद स्वीडन में इसका कोई असर नहीं हो रहा है। यही वजह है कि एक बार फिर यहां की संसद के सामने ही कुरान को जलाकर विरोध जाहिर किया गया। इस तरह से सऊदी अरब से लेकर पाकिस्तान तक भारी विरोध के बाद भी स्वीडन में कुरान जलाने की घटनाओं पर रोक नहीं लग रही है। ताजा मामले में एक इराकी मूल के एक व्यक्ति सलवान मोमिका ने सोमवार को राजधानी स्टॉकहोम में संसद के सामने कुरान की प्रति को जला दिया। इससे पहले भी स्वीडन में कुरान को जलाने की कई घटनाएं हो चुकी हैं और इसके विरोध में इराक, पाकिस्तान समेत दुनिया के कई मुस्लिम देशों में हिंसक प्रदर्शन हो चुके हैं। कई देश तो स्वीडन को चेतावनी तक दे चुके हैं। खबरों के मुताबिक कुरान जलाने में मोमिका की एक अन्य व्यक्ति सलवान नाजेम ने मदद की।

कनाडा की ओर बढ़ रही आग....येलोनाइफ शहर को खाली करने का आदेश

येलोनाइफ (एजेंसी)। जंगल में लगी आग कनाडा के येलोनाइफ की तरफ बढ़ रही है। जंगल में आग लगने की आशंका के कारण हजारों निवासी कनाडा के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र की राजधानी से भाग गए। कुछ लोग सुरक्षा के लिए सैकड़ों मील दूर चले गए और अन्य आपातकालीन उड़ानों के लिए लंबी लाइनों में इंतजार कर रहे थे।

अग्निशमन सूचना अधिकारी ने कहा, तेज हवाओं के कारण लगी आग येलोनाइफ के उत्तरी किनारे के 16 किलोमीटर (10 मील) के भीतर थी और सबसे अधिक जोखिम वाले चार क्षेत्रों के लोगों को जल्द से जल्द छोड़ने के लिए कहा गया था। शहर से दक्षिण की ओर जाने वाले एकमात्र राजमार्ग पर कारों की लंबी कतारें लग गई हैं। आग के धुएं से राजमार्ग पर साफ दिखाई नहीं दे रहा है। हवाई जहाज से पानी बरसा कर आग पर काबू करने की कोशिश हो रही है।

क्षेत्रीय सरकार के मंत्री शेन थॉम्पसन ने कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि शहर तत्काल खतरे में नहीं है और निवासियों के लिए सड़क और हवाई मार्ग से शहर छोड़ने के लिए एक सुरक्षित रास्ता है। बारिश के बिना, यह संभव है कि यह आग सप्ताहांत तक शहर के बाहरी इलाके तक पहुंच जाएगा।

वेस्टविक ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को निकालना कठिन होने वाला है, लेकिन लोग सहयोग कर रहे हैं और शांतिपूर्वक हैं। वेस्टविक ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए जल बमवर्षकों का इस्तेमाल हो रहा है। कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक जेनिफर यंग ने कहा कि 1,500 यात्रियों के साथ 10 विमान येलोनाइफ से रवाना हुए। अधिकारियों ने कहा कि येलोनाइफ से लोगों को निकालने का काम शुक्रवार तक पूरा होने की उम्मीद है। येलोनाइफ की आबादी लगभग 20,000 है। अधिकारियों ने कहा कि केवल उन लोगों को ही निकासी उड़ानों के लिए पंजीकरण कराना चाहिए, जिनके पास सड़क मार्ग से जाने का विकल्प नहीं है या जो बीमार या कमजोर हैं। आग येलोनाइफ से 10 मील दूर है।

नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज से सुरक्षित निकाले गए लोगों को पास के प्रांत अल्बर्टा में तीन केंद्रों में रखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो निकासी पर चर्चा के लिए मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई है। वाणिज्यिक एयरलाइनों और रायल कैनेडियन वायुसेना के विमानों से लोगों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री शेन थांपसन ने कहा, आग शहर के लिए बड़ा खतरा है। प्रशासन ने निवासियों को शहर के ठीक बाहर ग्रेट स्लेव झील के द्वीपों पर शरण न लेने की भी चेतावनी दी, क्योंकि आग करीब आने पर क्षेत्र में हवा प्रदूषित हो सकती है। ब्रिटिश कोलंबिया में, जहां लगभग 370 जगह आग लगी हुई थी, अधिकारियों ने भी अधिक निकासी के लिए कमर कस ली है,

अगले कुछ दिनों के लिए मौसम पूर्वानुमान में बिजली की भविष्यवाणी की गई है, जिससे नई आग भड़क सकती है और तेज हवाएं चल सकती हैं, जो तेजी से दिशा बदल सकती हैं। गुरुवार तक, देश भर में 1,053 जंगल की आग जल रही थी, जिनमें से आधे से अधिक नियंत्रण से बाहर थीं। अमेरिका ने भी विनाशकारी जंगल की आग देखी है, जिसमें पिछले सप्ताह माउई के हवाई द्वीप पर लगी आग भी शामिल है, जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए और एक ऐतिहासिक शहर नष्ट हो गया।

फुटबॉल सट्टेबाजी एप से चीनी नागरिक ने यूपी और गुजरात के लोगों को लगाया 1400 करोड़ का चूना

अहमदाबाद । एक चीनी नागरिक ने लोकल साझेदारों के साथ मिलकर एक फुटबॉल सट्टेबाजी एप तैयार किया, जिसने उत्तरी गुजरात के करी 1,200 लोगों को फंसाया। इससे पीड़ितों को नौ दिनों के भीतर 1,400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देख गुजरात पुलिस ने धोखाधड़ी के पीछे के मास्टरमाइंड का खुलासा करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। खोज ने अंततः चीन के शेनझेन क्षेत्र के निवासी वू उयानबे को मास-?टर माइंड बताया। उयनबे ने गुजरात के पाटन और बनासकांठा क्षेत्रों में घोटाले को अंजाम दिया। यह खोज दानी डेटा नाम के एप के तहत काम करने वालों के एक समूह द्वारा शुरू किया गया था, जो गुजरात और उत्तर प्रदेश में व्यक्तियों को लक्षित कर रहे थे। जवाब में, उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक जांच शुरू की, इससे उत्तरी गुजरात के व्यक्तियों के साथ संबंध का पता चला। बाद की जांच से पता चला कि चीनी नागरिक 2020 और 2022 के बीच भारत में मौजूद था और पाटन और बनासकांठा में स्थानीय लोगों के साथ बातचीत कर रहा था। वित्तीय लाभ के वादे से आकर्षित होकर, उयानबे और उनके गुजरात स्थित सहयोगियों ने मई 2022 में भ्रामक एप लांच किया। एप्लिकेशन ने उपयोगकर्ताओं को एप के भीतर लगाए गए दांव पर पर्याप्त रिटर्न का लालच दिया। उयानबे ने प्रतिदिन औसतन 200 करोड़ रुपये जमा करने में कामयाबी हासिल की। दांव लगाने वालों में 15 से 75 वर्ष की आयु के व्यक्ति शामिल थे। फ़ुटबॉल मैचों के उत्साह का लाभ उठाते हुए, धोखाधड़ी वाले एप ने मुख्य रूप से शोषण के लिए इस खेल पर ध्यान केंद्रित किया। लेकिन केवल नौ दिनों के संचालन के बाद, एप ने काम करना बंद कर दिया, इससे पीड़ितों को एहसास हुआ कि उनका निवेशित धन गायब हो गया है। जांच के बाद, सीआईडी की साइबर सेल ने नौ लोगों को पकड़ा। ये हवाला नेटवर्क के माध्यम से पैसे भेजने में उयानबे की सहायता कर रहे थे। गुजरात पुलिस ने अगस्त 2022 में पाटन में धोखाधड़ी और आईटी अधिनियम के उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरु की, लेकिन तब तक योजना के पीछे का मास्टरमाइंड गायब हो चुका था। उयानबे अपने खिलाफ किसी भी संभावित कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए चीन लौटने में कामयाब रहा था। सीआईडी ने अभी तक उयानबे के खिलाफ पर्याप्त सबूत इकट्ठा नहीं किया है, इससे प्रत्यर्पण प्रक्रिया रुकी हुई है। पुलिस विभाग के सूत्रों ने संकेत दिया है कि मास्टरमाइंड सक्रिय और शेनझेन, चीन, हांगकांग के साथ-साथ सिंगापुर जैसे क्षेत्रों में नेटवर्क चला रहा है।

पति-पत्नी से झगड़े में युवक की पटरी पर गिरा कर मौत

मुंबई । मुंबई के सायन रेलवे स्टेशन पर पति-पत्नी से झगड़े में एक युवक को रेल की पटरी पर गिरा दिया, जिससे युवक की ट्रेन से कुचलकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक युवक महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम में कर्मचारी था। आरोपी दंपति को हिरासत में ले लिया गया है। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान दिनेश राठौड़ (26) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि 16 अगस्त को सायन रेलवे स्टेशन पर एक दंपति और राठौड़ क बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी शीतल माने सायन स्टेशन पर उतरने के बाद राठौड़ के साथ बहस कर रही थीं। राठौड़ को अपनी पत्नी पर हमला करते देख अविनाश माने ने मामले में हस्तक्षेप किया जिससे दोनों के बीच भयंकर लड़ाई हुई। झगड़े के दौरान माने ने कथित तौर पर राठौड़ को मुक्का मारा, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वह पटरी पर गिर गया, जिससे उनकी ट्रेन से कुचलकर मौत हो गई। मुंबई पुलिस ने आरोपी अविनाश माने (31) और उनकी पत्नी शीतल को हिरासत में ले लिया है।

संयुक्त ऑपरेशन दो टेरर मॉड्यूल का हुआ पर्दाफाश, आठ आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर एक और कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने घाटी में हथियारों और गोला-बारूद के साथ कम से कम आठ आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की बड़ी सफलता है। एसएसपी बारामूला आमोद अशोक नागपुरे ने कहा कि हमने दो आतंकी मॉड्यूल का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। पहले मॉड्यूल का भंडाफोड़ 8 अगस्त को हुआ था। बारामूला पुलिस और सेना की 16 सिख लाइट इन्फैंट्री की संयुक्त सेना ने सीमा पार से तीन आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से ग्रेनेड बरामद किए। आमोद अशोक नागपुरे ने आगे बताया कि 11 अगस्त को एक संयुक्त अभियान में उरी क्षेत्र के पोवारियन थाजल से दूसरे मॉड्यूल के कुल पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था। उनके पास से 4 हथगोले, 2 पिस्तौल, 2 पिस्तौल मैगजीन, 10 जिंदा कारतूस और 50,000 रुपये नकद बरामद किए गए। एक चार पहिया वाहन को सीज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दर्ज किये गये दो मामलों में कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। नागपुरे के मुताबिक यूएलपीए और आर्म्स एक्ट के तहत दोनों मॉड्यूल की जांच चल रही है। दोनों आतंकी मॉड्यूल पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं के इशारे पर हथियारों और गोला-बारूद की सीमा पार तस्करी और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए लश्कर के आतंकवादियों को इसके वितरण में शामिल हैं।

छात्राओं पर मिर्ची पाउडर का स्प्रे..... अस्पताल में भर्ती किया

पणजी । गोवा के बिचौलिम में एक उच्च माध्यमिक स्कूल में कुछ छात्राओं पर सहपाठी विद्यार्थियों ने शरारत में मिर्ची पाउडर (पेपर) का स्प्रे किया, जिससे कम से कम 11 छात्राओं को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब छात्राएं कक्षा में थीं तब यह घटना हुई। उन्होंने कहा, स्कूल प्रबंधन से मिली शिकायत के मुताबिक, कुछ विद्यार्थियों ने शरारत में छात्राओं पर मिर्च पाउडर का स्प्रे कर दिया जिसके बाद कुछ छात्राओं को बेचैनी और सांस लेने में परेशानी शुरू हुई। उन्होंने बताया, शुरू में 11 लड़कियों को बिचोलिम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और उसमें तीन को बाद में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पहुंचे बिचोलिम विधायक डॉ. चंद्रकांत शेट्टी ने कहा कि वहां भर्ती सभी छात्राओं की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि दो लड़कियों को छोड़कर सभी को जल्द छुट्टी दे दी जाएगी। विधायक ने कहा कि पुलिस ने स्कूल प्रबंधन से एक अनुशासनात्मक समिति गठित करने और घटना की जांच करने को कहा है। उन्होंने कहा, शुरुआती जांच से पता चला है कि कुछ विद्यार्थियों ने कक्षा के बाहर से खिड़की से मिर्च पाउडर का स्प्रे कर दिया। विधायक के मुताबिक, प्रबंधन ने पुलिस को बताया है कि वह पहले ही चार विद्यार्थियों को उनके कदाचार के लिए स्कूल से निलंबित कर चुका है। गोवा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित पाटकर ने पार्टी विधायक कार्लोस फरेरा के साथ जिला अस्पताल में छात्राओं से मुलाकात की।

सोशल मीडिया के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची ज्योति मौर्य

लखनऊ । सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ज्योति मौर्य से जुड़ा विवाद अब दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। सरकारी कर्मचारी ने याचिका दायर कर उन्हें और उनके पति चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी आलोक को ट्रोल करने वाले सोशल मीडिया पोस्ट, गाने और मीम्स को हटाने की मांग की है। ज्योति मौर्य तब से विवादों के हैं, जब उनके पति आलोक मौर्य ने आरोप लगाया था कि उनका गाजियाबाद में होम गार्ड कमांडेंट के रूप में तैनात मनीष दुबे के साथ विवाहेतर संबंध था। एक वीडियो में आलोक एसडीएम बनने के बाद पत्नी के छोड़ने पर आंसू बहाते दिखे थे। इसके बाद ज्योति ने दावा किया कि उन्हें सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा और वह अपने पति के आरोपों के आधार पर आलोचना के केंद्र में थीं, जिससे उन्हें पेशेवर और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा। अब ज्योति विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने खिलाफ पोस्ट किए गए वीडियो, मीम्स आदि को हटाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गई हैं। याचिका में ज्योति ने अदालत से आग्रह किया है कि वह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप सहित अन्य प्लेटफार्मों पर प्रसारित फर्जी खबरों, ऑडियो वीडियो और आपत्तिजनक खबरों को खारिज करने का निर्देश दे। ट्रोलिंग को अपनी निजता के अधिकार का हनन मानते हुए ज्योति ने कहा है कि उनके खिलाफ एक भ्रामक अभियान चलाया गया था और उन्हें इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा निशाना बनाया गया था, जिन्होंने कथित तौर पर उनसे जुड़े अश्लील गाने और वीडियो बनाए थे।

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष का बयान...

शरद पवार पीएम मोदी के दृष्टिकोण का समर्थन करेंगे

-फडणवीस का तंज...मेरे बयान से कुछ लोग अभी भी भयभीत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने विश्वास जताया है कि राकांपा संस्थापक शरद पवार एक दिन भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण का समर्थन करने वाले हैं। बावनकुले ने कहा कि एक दिन अवश्य ही पवार केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह आज भले ही हमारे साथ नहीं आना चाहते लेकिन उन्हें एक दिन अवश्य ही यह अहसास होगा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत और आत्मनिर्भर बन रहा है। बावनकुले ने कहा कि जित पवार महाराष्ट्र सरकार में शामिल होकर राज्य के हित में काम कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार पूरे राज्य का दौरा कर जनता के हित में कदम उठा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से परिवारवाद के मुद्दे को बार-बार उठाने पर उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का रुख यही है कि सांसदों और विधायकों के परिजनों को ही अन्य चुनावों में उम्मीदवार बनाने की जगह पार्टी के प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं को सेवा का अवसर मिलना चाहिए। इसके अलावा शरद और अजित के बीच बार-बार हो रही बैठकों के बारे में कहा कि शरद पवार ने खुद स्पष्ट किया है कि यह एक पारिवारिक बैठक थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शरद पवार एक दिन भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर' बनाने के पीएम मोदी के दृष्टिकोण और सपने का समर्थन करने वाले हैं।

बता दें कि बावनकुले का यह बयान उस समय आया है, जब शरद पवार ने भाजपा पर विपक्ष शासित राज्यों की निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने का आरोप लगाकर कहा है कि मौजूदा शासकों की नीति जाति, धर्म और भाषा के आधार पर समाज की खाई को चौड़ा करना है।

दूसरी ओर, पवार के बयान पर भाजपा नेता उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने पलटवार कर दावा किया कि प्रधानमंत्री अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं, क्योंकि पूरा देश मोदी के साथ खड़ा है और वह देश के नागरिकों के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। शिरडी में 'सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर , फडणवीस ने कहा, हम तीन एक साथ आए हैं। आप शिंदे जी की कार्यशैली के बारे में जानते हैं और आप मेरे और अजित दादा के बारे में भी जानते हैं। हम तीनों का ऐसा मेल है, जिसे कोई चुनौती नहीं दे सकता। शरद पवार का नाम लिए बिना फडणवीस ने पलटवार कर कहा, ''पिछली बार, मैंने कहा था मैं वापस आऊंगा' और मैं देख सकता हूं कि उस बयान का 'भय' अभी भी बरकरार है। कुछ लोग अभी भी भयभीत हैं। मैं उन्हें एक बात बताना चाहूंगा कि जब मैंने ये कहा कि 'मैं वापस आऊंगा', तब लोग वास्तव में मुझे वापस ले आए लेकिन कुछ लोगों ने हमें धोखा दिया।

कर्नाटक सरकार ने मंदिरों के नवीनीकरण और विकास के लिए धन रोका

-भाजपा के फैसले की निंदा की

बेंगलुरु । कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार द्वारा मंदिरों के नवीनीकरण और विकास कामों के लिए धन जारी करना बंद करने के फैसले की हिंदू संगठनों और भाजपा ने निंदा की है। कांग्रेस सरकार के फैसले के संबंध में राज्य के हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग द्वारा एक आदेश पारित किया गया है, इस सभी जिला आयुक्तों को जारी किया जा चुका है। आदेश में कहा गया है कि अगर मंदिरों में जीर्णोद्धार का काम नहीं किया गया, तब फंड जारी नहीं किया जाएगा, साथ ही अगर 50 फीसदी फंड जारी करने की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है, तब उसे भी रोक दिया जाए। आदेश में कहा गया है कि अगर प्रशासनिक मंजूरी का कोई प्रस्ताव है, तब उस भी रोका जाना चाहिए। इसकी आलोचना करते हुए, मुजराई और वक्फ के पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक शाहीकला जोले ने कहा, मैं मंदिरों के लिए धन रोकने के सरकार के कदम की निंदा करता हूं। कांग्रेस सरकार को मंदिरों को पूर्वाग्रहपूर्ण मानसिकता से नहीं देखना चाहिए। पिछली भाजपा सरकार के दौरान आवंटित धनराशि जारी करना सरकार और मंत्री का कर्तव्य है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को फैसला वापस लेना चाहिए। राज्य में मंदिरों का जीर्णोद्धार कर उनका विकास किया जाना चाहिए। यदि नहीं, तब सरकार को तीव्र विरोध का सामना करना पड़ेगा। उन-?होंने कहा, भारतीय संस्कृति में मंदिरों का बहुत महत्व है। हमारे (भाजपा) कार्यकाल के दौरान मंदिरों और धार्मिक केंद्रों के नवीनीकरण के लिए धन जारी किया गया था।

अमेठी से चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी , प्रियंका गांधी पर बोले अजय राय-

हमारा एक-एक कार्यकर्ता उनके लिए जान लगा देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को दावा किया कि पार्टी सांसद राहुल गांधी 2024 का लोकसभा चुनाव अमेठी से लड़ेंगे। जब अजय राय से पूछा गया कि राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में किस सीट से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर राहुल गांधी अमेठी सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने प्रियंका गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका जी चाहें तो वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं, हमारा एक एक कार्यकर्ता उनके लिए जान लगा देगा।

स्मृति ईरानी पर निशाना

अजय राय ने मौजूदा अमेठी सांसद स्मृति ईरानी के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा, 'वह बौखला गई हैं। उन्होंने कहा था कि वह चीनी की कीमत 13 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम कर देंगी। क्या वह ऐसा कर सकती हैं?' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का परचम 2024 में लहरेगा। उन्होंने साथ साथ कहा कि हम हर चुनाव में कांग्रेस का झंडा फहराने का वादा करते हैं। राहुल गांधी 2019 में कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली अमेठी लोकसभा सीट बीजेपी की स्मृति ईरानी से हार गए। यह उस साल कांग्रेस का सबसे बड़ा उलटफेर था। कांग्रेस 2024 चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में लगी हुई है। इन सबके बीच कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश को लेकर बड़ा कदम उठाया है। दरअसल, कांग्रेस ने पूर्व विधायक अजय राय को प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी है।

मोदी के खिलाफ लड़ा था चुनाव

वाराणसी से मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले अजय राय उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष होंगे। अजय राय बृजलाल खाबरी की जगह लेंगे। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश राजनीतिक हिसाब से काफी महत्वपूर्ण राज्य है। खुद प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के महासचिव हैं। ऐसे में कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन को मजबूत करने की कोशिश में जुटी हुई है। अजय राय पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं। विरोधी पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रहते हैं। इसके साथ ही वह जमीन पर भी काफी सक्रिय रहते हैं। वह 2014 और 2019 के आम चुनावों में वाराणसी संसद सीट के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार थे, और नरेंद्र मोदी से हार गए थे। 2019 में अजय राय को 152,548 वोट मिले थे। वहीं 2014 में 75,614 वोट ही उन्हें मिल पाई थी।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी...बलात्कार हुआ है, या नहीं यह कोर्ट तय करेगा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक साल की पोती से बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति सजा को बरकरार रखा। साथ ही देश में महिलाओं की स्थिति पर भी चिंता जाहिर कर दी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट का कहना है कि साल 2012 में हुए निर्भया कांड के बाद भी कोई सुधार नहीं हुआ है। बल्कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और खासतौर से बलात्कार के मामले बढ़े हैं। मामले की सुनवाई जस्टिस संजय धर और जस्टिस राजेश सेखरी की बेंच कर रही थी। मामले में कोर्ट ने कहा, मेरे शरीर में यह जानकर सिहरन दौड़ जाती है कि एक दादा ने अपनी वासना शांत करने के लिए एक साल की पोती के साथ दुष्कर्म किया। मामला साल 2011 का है। दरअसल, बोध राज नाम के शख्स की तरफ से अपील दायर की गई थी, जिसमें 2013 में शख्स को ट्रायल कोर्ट की तरफ से सजा दी गई थी।

बोध राज पर आरोप हैं कि वह उस कमरे से भागा था, जहां एक वर्षीय बच्ची खून में सनी हुई रोते हुए मिली थी। मेडिकल जांच के दौरान डॉक्टर ने कहा था कि बच्ची का हाइमन फटा है और उसके गुप्तांगों पर चोटें हैं। डॉक्टर का कहना था कि यह यौन हिंसा का मामला हो सकता है, लेकिन अन्य आशंकाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता। बोध राज का कहना था कि पुरानी रंजिश के चलते शिकायतकर्ता की ओर से फंसाया गया था। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने उसकी दलीलों को खारिज कर दिया। सुनवाई में स्टार विटनेस की ओर से घटना की ठोस जानकारी कोर्ट को दी गई थी। कोर्ट ने अपील खारिज कर कहा, अपीलकर्ता की ओर से किया गया अपराध भयानक है, जिसके बारे में सामान्य इंसान कभी सोच भी नहीं सकता।

सुनवाई को दौरान कोर्ट ने कहा कि पीड़ित के गुप्तांगों पर चोट के निशान और वीर्य के धब्बे नहीं होने पर भी बलात्कार का अपराध स्थापित किया जा सकता है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि बलात्कार पीड़ित का इलाज कर रहे डॉक्टर सिर्फ यह बता सकते हैं कि कोई ताजा यौन गतिविधि का सबूत है या नहीं है। वे यह नहीं कह सकते कि बलात्कार हुआ है या नहीं, यह काम कोर्ट का है।

कोर्ट ने कहा, बलात्कार पीड़ित का इलाज कर रहे मेडिकल जानकार सिर्फ ताजा यौन गतिविधि के बारे में बता सकते हैं। इस बारे में राय देना कि बलात्कार हुआ है या नहीं, यह उनका काम नहीं है। जज ने समझाया कि बलात्कार अपराध है, इसकारण यह पता करना सिर्फ कोर्ट का काम है कि यह आईपीसी की धारा 375 के तहत आता है या नहीं।

लालू यादव की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, चारा घोटाला केस में जमानत रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची सीबीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित चारा घोटाले से जुड़े मामलों में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमानत रद्द करने की मांग करते हुए शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। कोर्ट इस याचिका पर 25 अगस्त को सुनवाई करेगी। जांच एजेंसी ने झारखंड उच्च न्यायालय के 22 अप्रैल, 2022 के उस आदेश को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया है, जिसमें यादव को उस मामले में जमानत दी गई थी, जिसमें उन्हें पांच साल जेल की सजा सुनाई गई थी। यादव को झारखंड के देवघर, दुमका, चाईबासा और डोरंडा कोषागार से धोखाधड़ी से नकदी निकालने से संबंधित पांच चारा घोटाले के मामलों में सजा सुनाई गई थी।

950 करोड़ रुपये के चारा घोटाले में अविभाजित बिहार के कई सरकारी खजानों से पशु चारे के लिए आवंटित धनराशि का गबन किया गया था। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा कथित तौर पर फर्जी बिल जारी किए गए थे। चाईबासा के डिप्टी कमिश्नर अमित खरे ने 1996 में इस गबन का पता लगाया था, जब लालू यादव मुख्यमंत्री थे। 74 वर्षीय यादव वर्तमान में चारा घोटाला के विभिन्न मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद खराब स्वास्थ्य के कारण अस्थायी रूप से जमानत पर बाहर हैं। डोरंडा कोषागार द्वारा 139 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी सहित पांचवें चारा घोटाला मामले में रांची की एक विशेष सीबीआई अदालत ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को पांच साल की जेल की सजा सुनाई और 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। यादव को पिछले साल 15 फरवरी को सीबीआई कोर्ट ने सजा सुनाई थी. 21 फरवरी को चारा घोटाला मामले में उन्हें पांच साल की सजा और 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

' नीतीश कुमार ने जदयू का किया क्रियाकर्म', प्रशांत किशोर बोले-

लिख कर रख लो, उनकी पांच सीट भी नहीं आएगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। चुनावी रणनीति का से नेता बनने की कोशिश में जुटे प्रशांत किशोर लगातार बिहार में जन सुराज पद यात्रा निकाल रहे हैं। इसी दौरान वह बिहार की सत्तारूढ़ महागठबंधन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इन सबके बीच नीतीश कुमार पर एक बार फिर से प्रशांत किशोर ने जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार के बाहर के यात्राओं को वह गंभीर रूप से नहीं लेते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपने बंगाल पर मेरा ट्वीट देखा होगा। मैंने तब दावा किया था कि बंगाल में भाजपा के 100 सीट नहीं आएगी और वह सच हुआ। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू को भी चुनौती दे दी।

जदयू का भविष्य नहीं

प्रशांत किशोर ने साफ तौर पर कहा कि चाहे जो कर लें, आज मैं लिखकर दे रहा हूं कि लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार की जातियों को 5 सीट भी नहीं आने वाली है। इसको लेकर उन्होंने अपना तर्क भी दिया। प्रशांत किशोर ने बताया कि जदयू का जमीन पर कोई अस्तित्व नहीं बचा है। संगठन नहीं है और नेता भी नहीं है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि जदयू की कोई छवि नहीं है। ऐसे में पार्टी को कौन वोट देगा? उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव फिलहाल अभी दूर है लेकिन मैं अभी सब के बारे में नहीं बता सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जदयू का कोई भविष्य नहीं है। जदयू पार्टी का अंतिम काल चल रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने हीं अपनी पार्टी का क्रियाकर्म कर दिया है। अब उनको जदयू की जरूरत नहीं है।

पहले भी साधा था निशाना

प्रशांत किशोर ने दावा किया कि बस नीतीश कुमार को इतनी जरूरत है कि हम मुख्यमंत्री बने रहे चाहे पार्टी में कोई काम हो या ना हो। इससे पहले अपने बयान में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं भी बिहार का लड़का हूं। चुनाव इतनी मजबूती से लड़वाऊंगा कि लालू-नीतीश जैसे नेताओं के दांत खट्टे कर दूंगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मुझे धकियाना इनके बस की बात नहीं। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि जन सुराज व्यवस्था को अगर हम नहीं बनाएंगे लोग यही कहेंगे कि प्रशांत किशोर गांव और प्रखंडों में घूम रहे हैं। इनकी तो कोई ताकत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लालू यादव और भाजपा के लोग धकिया नहीं सकते हैं।

'इंडिया गठबंधन विपक्ष का एक नाटक', बीजेपी बोली- स्वार्थ से किया गया कोई भी कार्य कभी पूरा नहीं होता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने विपक्ष के इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों का कोई भी गठबंधन कहीं नहीं चलेगा। गौतम ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (INDIA) की पहली बैठक - जो 23 जून को पटना में हुई थी - में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नाराज हो गए थे तो वहीं दूसरी बैठक - 17-18 जुलाई को हुई थी जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाराज होने की खबर आई थी। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि उनकी (इंडिया ब्लॉक) गठबंधन योजना जल्द ही विफल हो जाएगी... कौन जानता है कि कितने लोग तीसरे को छोड़ देंगे।'

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ अपनी अगली कार्रवाई की रणनीति बनाने के लिए इंडिया गठबंधन मुंबई में बैठक करने के लिए तैयार है। अगले साल लोकसभा चुनाव में भाजपा से संयुक्त रूप से मुकाबला करने के लिए बनाए गए 26 दलों के विपक्षी गठबंधन की 31 अगस्त और 1 सितंबर को मुंबई में बैठक होने वाली है। गौतम ने विधानसभा चुनाव में आपसी कलह और एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने के लिए विपक्षी दलों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, 'पंजाब में, वे AAP कांग्रेस को एक भी सीट नहीं देगी। दिल्ली में हालात खराब हैं, इसलिए वह (अरविंद केजरीवाल) सीट बंटवारे की बात कर सकते हैं।' तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में घुसने नहीं देगी। कांग्रेस महाराष्ट्र में भी खराब स्थिति में हैं।

इसके अलावा गौतम ने इंडिया गुट को स्वार्थी और नाटकीय स्वभाव का बताकर हमला बोला। उन्होंने कहा, 'यह गठबंधन एक नाटक है और स्वार्थी स्वभाव का है। स्वार्थ से किया गया कोई भी कार्य कभी पूरा नहीं होता। ये लोग मोदी विरोधी हैं। वे लोगों को क्या ऑफर दे रहे हैं, ये तो उन्हें भी अभी तक पता नहीं है।' वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि भारत के संविधान की रक्षा के सार के बारे में जागरूकता अभियान के प्रस्ताव पर मुंबई बैठक में चर्चा की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

नाबालिग लड़की के अपहरण और दूष्कर्म के दोषी को 20 की सजा, एक साल में कोर्ट ने सुनाया फैसला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

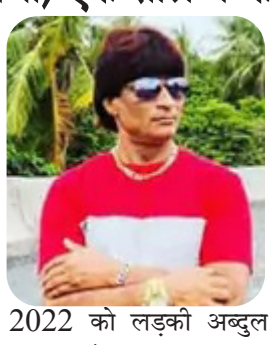

सूरत, अपनी बेटी से भी छोटी आयु की नाबालिग लड़की का अपहरण और उससे दुष्कर्म के आरोपी दोषी करार देते हुए सूरत कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही रु 50000 का जुर्माना और पीड़िता को रु 45000 मुआवजा देने का आदेश दिया है। घटना सूरत के सचिन की हैं, जहां 9 अक्टूबर 2022 को 17 वर्षीय नाबालिग लड़की का 50 वर्षीय अब्दुल हासिम माघी का अपहरण कर लिया था। सूरत के लाजपोर गांव में रहने वाली 17 वर्षीय लड़की होजीवाला एस्टेट की एक फैक्ट्री में काम करती थी| जहां अब्दुल हासिम कंपनी की रिक्शा में लड़की को घर से लाने और वापस छोड़ने जाने का काम करता था। गत 8 अक्टूबर 2022 को लड़की अब्दुल के साथ फैक्ट्री जाने के लिए निकली, लेकिन देर शाम तक नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। बेटी के नहीं मिलने पर परिवार ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत पुलिस से की। लड़की का अब्दुल हासिम द्वारा अपहरण किए जाने का खुलासा होने के बाद उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने अलग अलग टीमें बनाईं। तीन दिन के भीतर आरोपी अब्दुल हासिम को पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर लिया। जांच में खुलासा हुआ कि अब्दुल लड़की को लेकर अहमदाबाद से अजमेर के लिए रवाना हो गया। रास्ते में स्लीपर कोच में आरोपी ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी लड़की को उभराट भी ले गया था और वहां भी उसके साथ दो-तीन बार दुष्कर्म किया। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी अब्दुल हासिम की 22 वर्षीय बेटी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म का केस दर्ज किया और 42 दिनों के भीतर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। कोर्ट ने भी मामले की तेजी से सुनवाई की और एक साल से भी कम समय में आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल की सजा सुना दी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी की आयु पीड़िता से तीन गुना अधिक है और उसकी 22 साल की बेटी भी है। कोर्ट ने अब्दुल हासिम को रु 50000 का जुर्माना और रु 45000 का मुआवजा पीड़िता को देने का आदेश दिया है।

विधर्मी युवक ने नाबालिग लड़की को प्रेमजाल में फांसकर दुष्कर्म किया, पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, शहर से फिर एक बार विधर्मी युवक द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। सूरत में चिकन शोप चलाने वाले विधर्मी ने शख्स ने 15 साल की लड़की को अपने प्रेमजाल में फांसने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कानून कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के खटोदरा क्षेत्र के आजादनगर में रहनेवाला शोएब शेख नामक शख्स शहर में चिकन शोप चलाता है। पिछले साल शोएब शेख ने कक्षा 9 की छात्रा का कई दिनों तक पीछा किया और बाद में उसका मोबाइल नंबर हासिल कर लिया। जिसके बाद शोएब लड़की के साथ वोट्सएप के जरिए बातचीत की और उसे बहला फुसलाकर अपने प्रेमजाल में फांस लिया। शोएब ने लड़की को शादी करने की लालच भी दी। जिसके बाद शोएब ने लड़की को अपने घर और अलथाण गार्डन में मिलने के लिए बुलाया। जहां शोएब ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। पूरे मामला का खुलासा तब हुआ जब लड़की ने स्कूल और ट्यूशन जाना बंद कर दिया। 15 दिनों तक बेटी के स्कूल और ट्यूशन नहीं जाने पर माता इसका कारण पूछा। वास्तविकता सुनकर माता के पैरों तले जमीन खिसक गई। नाबालिग लड़की के परिवार ने सूरत के खटोदरा पुलिस थाने में शोएब शेख के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी।

जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी शोएब को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है।

बगैर पीयूसी और इंश्योरंस के कार लेकर निकलना पुलिसकर्मी को पड़ा महंगा, 3000 का जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर आम वाहन चालकों से जुर्माना वसूल करनेवाले पुलिसकर्मी खुद कानून का पालन करते हैं क्या? सूरत में कार में सवार ऐसे ही एक पुलिसकर्मी को मेहूल बोघरा नामक वकील ने रोका और बाद में उससे जुर्माना भी भरवाया।

इतना ही नहीं पुलिसकर्मी की कार लगी डार्क फिल्म भी हटवाई। दरअसल सूरत के पांडेसरा पुलिस थाने में सेवारत पुलिसकर्मी कार लेकर निकला था।

पुलिसकर्मी की कार पर पुलिस का टेग, शीशे पर डार्क फिल्म लगी थी। एडवोकेट मेहूल बोघरा ने सूरत के डिंडोली क्षेत्र के सांई पोइंट कार को रोका और वहां मौजूद ट्रैफिक पुलिस से उसके दस्तावेज की जांच करने का अनुरोध किया। जांच में पता चला कार का पीयूसी और इंश्योरंस नहीं है।

जिसके बाद डिंडोली सर्कल पीआई घटनास्थल पर पहुंचे और कार चालक पुलिसकर्मी से रु 3000 का जुर्माना वसूला। इतना ही नहीं पीआई ने कार के शीशे पर लगी डार्क फिल्म भी हटवा दी।

रिवाबा से अपने झगड़े पर सांसद पूनम ने दी सफाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भारतीय जनता पार्टी की विधायक रिवाबा जडेजा और सांसद पूनमबेन माडम के बीच हुई तकरार का मामला थमता दिख रहा है। मामले को बढ़ता देख जामनगर से सांसद पूनम माडम ने स्पष्टीकरण देकर कहा कि रिवाबा उनकी छोटी बहन हैं। बता दें कि मेरी माटी मेरा कार्यक्रम के तहत लखोटा झील पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम था। इस दौरान पूनम चप्पल पहनकर हार अर्पित करने गई थीं। वहीं रिवाबा जडेजा चप्पल उतारकर स्मारक पर पहुंची। आरोप है कि पूनम माडम ने टिप्पणी की कि कुछ लोग स्मार्ट बनते हैं। इसके बाद रिवाबा को गुस्सा आया और उन्होंने वहीं पर पहले मेयर और फिर सांसद पूनम को खरी-खोटी सुना दी थी। मीडिया की मौजूदगी में तीन महिला नेताओं के साथ हुआ झगड़ा वायरल हो गया था। झगड़े के बाद मेयर बीना कोठारी ने पूरे मामले को बीजेपी का आंतरिक और पारिवारिक मामला करार दिया था।

वहीं रिवाबा ने कहा था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद अब पूनम माडम की सफाई आई है। पूनम ने कहा, 'जो कुछ हुआ. वह बहुत कम समय में हो गया। यह गलतफहमी के चलते हुआ। ग्रुप फोटो के लिए एक डेढ़ मिनट में जो संवाद हुआ। उसके अलावा न आगे कुछ और न पीछे कुछ है। बीजेपी एक परिवार है। वह हमेशा रहेगा।

फुटबॉल सट्टेबाजी एप से चीनी नागरिक ने यूपी और गुजरात के लोगों को लगाया 1400 करोड़ का चूना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एक चीनी नागरिक ने लोकल साझेदारों के साथ मिलकर एक फुटबॉल सट्टेबाजी एप तैयार किया, जिसने उत्तरी गुजरात के करी 1,200 लोगों को फंसाया। इससे पीड़ितों को नौ दिनों के भीतर 1,400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देख गुजरात पुलिस ने धोखाधड़ी के पीछे के मास्टरमाइंड का खुलासा करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। खोज ने अंतत: चीन के शेनझेन क्षेत्र के निवासी वू उयानबे को मास्टर माइंड बताया। उयनबे ने गुजरात के पाटन और बनासकांठा क्षेत्रों में घोटाले को अंजाम दिया।

यह खोज दानी डेटा नाम के एप के तहत काम करने वालों के एक समूह द्वारा शुरू किया गया था, जो गुजरात और उत्तर प्रदेश में व्यक्तियों को लक्षित कर रहे थे। जवाब में, उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक जांच शुरू की, इससे उत्तरी गुजरात के व्यक्तियों के साथ संबंध का पता चला। बाद की जांच से पता चला कि चीनी नागरिक 2020 और 2022 के बीच भारत में मौजूद था और पाटन और बनासकांठा में स्थानीय लोगों के साथ बातचीत कर रहा था। वित्तीय लाभ के वादे से आकर्षित होकर, उयानबे और उनके गुजरात स्थित सहयोगियों ने मई 2022 में भ्रामक एप लांच किया। एप्लिकेशन ने

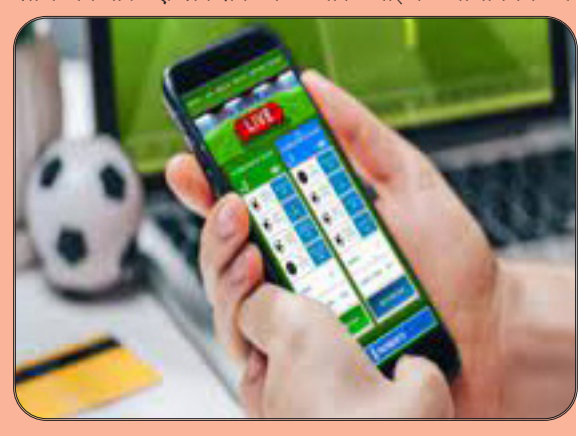

उपयोगकर्ताओं को एप के भीतर लगाए गए दांव पर पर्याप्त रिटर्न का लालच दिया। उयानबे ने प्रतिदिन औसतन 200 करोड़ रुपये जमा करने में कामयाबी हासिल की। दांव लगाने वालों में 15 से 75 वर्ष की आयु के व्यक्तिशामिल थे। फुटबॉल मैचों के उत्साह का लाभ उठाते हुए, धोखाधड़ी वाले एप ने मुख्य रूप से शोषण के लिए इस खेल पर ध्यान केंद्रित किया। लेकिन केवल नौ दिनों के संचालन के बाद, एप ने काम करना बंद कर दिया, इससे पीड़ितों को एहसास हुआ कि उनका निवेशित धन गायब हो गया है। जांच के बाद, सीआईडी की साइबर सेल ने नौ लोगों को पकड़ा। ये हवाला नेटवर्क के माध्यम से पैसे भेजने में उयानबे की सहायता कर रहे थे। गुजरात पुलिस ने अगस्त 2022 में पाटन में धोखाधड़ी और आईटी अधिनियम के उल्लंघन के लिए प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरु की, लेकिन तब तक योजना के पीछे का मास्टरमाइंड गायब हो चुका था। उयानबे अपने खिलाफ किसी भी संभावित कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए चीन लौटने में कामयाब रहा था। सीआईडी ने अभी तक उयानबे के खिलाफ पर्याप्त सबूत इकट्ठा नहीं किया है, इससे प्रत्यर्पण प्रक्रिया रुकी हुई है। पुलिस विभाग के सूत्रों ने संकेत दिया है कि मास्टरमाइंड सक्रिय और शेनझेन, चीन, हांगकांग के साथ-साथ सिंगापुर जैसे क्षेत्रों में नेटवर्क चला रहा है।

गुजरात के पुलिसकर्मी अब यूनिफार्म में नहीं बना पाएंगे रील्स, सोशल मीडिया आचार संहिता जारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के पुलिसकर्मियों के लिए सोशल मीडिया को लेकर एक पॉलिसी जारी की गई है, जिसमें उन्हें सोशल मीडिया आचार संहिता का पालन करने का आदेश दिया गया है। राज्य के कई पुलिसकर्मियों के रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने की घटनाएं सामने आने के बाद आचार संहिता जारी की गई है। इसका उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

इस संदर्भ में गुजरात के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय ने आईजी, एसपी समेत अधिकारियों को पत्र लिखा है।

पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को आदेश दिया गया है कि वे यूनिफार्म में रील्स बनाकर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड ना करें। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पुलिस अधिकारी या कर्मचारी सरकार के खिलाफ कोई बयानबाजी नहीं कर सकेंगे। हांलाकि यह नियम पहले से थे,इसके बावजूद कई पुलिसकर्मी सोशल मीडिया अंधाधुंध उपयोग करते थे। ऐसी घटनाओं को देखते हुए नई आचार संहिता जारी की गई है। इसका पालन नहीं करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

समुद्र किनारे से चरस के 10 पैकेट बरामद, 5 दिन में 140 पैकेट चरस के और 3 पैकेट हेरोइन के मिले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कच्छ,गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ के समुद्री किनारे से फिर एक बार चरस के पैकेट बरामद हुए हैं। पिछले 5 दिनों से तटीय क्षेत्र में लगातार चरस के पैकेट बरामद हो रहे हैं। पांच दिनों के भीतर समुद्र किनारे से चरस के 140 पैकेट और हेरोइन के 3 पैकेट बरामद हो चुके हैं। देर रात मरी पुलिस को गश्त के दौरान चरस के 10 पैकेट बरामद हुए थे। शेखरण टापू पर समुद्री लहरों के साथ किनारे पर आए पीले रंग की प्लास्टिक की बोरी में चरस के 10 पैकेट बरामद हुए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से अतिसंवेदनशील कच्छ जिले में लावारीस हालत में चरस के पैकेट बरामद होने से सुरक्षा एजंसियां सतर्क हो गई हैं। विगत दिवसों से लगातार चरस के पैकेट बरामद होने की घटना के बाद तटीय इलाकों में सघन जांच कर रही है। इसी कड़ी में देर रात मरीन पुलिस को पेट्रोलिंग के दौरान चरस के और 10 पैकेट बरामद हुए

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com